हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 272, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 4 अप्रैल, 2024 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

सपा का प्रत्याशी कांग्रेस में जा रहा है, कांग्रेस का सपा में जा रहा : योगी

अभी तक अपराधी जमानत तुड़वाकर जेल जाते थे... अब वहां भी जाने से डर रहे हैं

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में लोकसभा चुनाव की बिसात बिछाने बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे। उन्होंने चुनावी अभियान की शुरूआत फतेहपुर सीकरी लोकसभा क्षेत्र में जनचौपाल से की। सीएम शमसाबाद स्थित एपी सिंह इंटर कॉलेज पहुंचे। यहां सीकरी के भाजपा प्रत्याशी राजकुमार चाहर के समर्थन में जन चौपाल को संबोधित किया। सीएम ने इंडी गठबंधन को निशाने पर लिया। कहा कि इंडी गठबंधन को प्रत्याशी नहीं मिल रहे हैं। सपा का प्रत्याशी कांग्रेस में जा रहा है, कांग्रेस का सपा में जा रहा है।

दल मिला रहे पर दिल नहीं मिल पा रहे- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक ओर भाजपा के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन है तो दूसरी तरफ वे लोग हैं, जो दल को मिलाना चाहते हैं, लेकिन उनके दिल नहीं मिल पा रहे हैं। इंडी गठबंधन में जो लोग हैं, उनकी स्थिति भी आप देख रहे होंगे। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने सभी सीटों पर प्रत्याशी उतार दिए, लेकिन कांग्रेस के लिए एक भी सीट नहीं छोड़ी, फिर भी वे गठबंधन का हिस्सा हैं। केरल में कम्युनिस्टों ने कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं किया, लेकिन वे इंडी गठबंधन का हिस्सा हैं। यही हाल महाराष्ट्र समेत अलग-अलग क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है। इनको प्रत्याशी नहीं मिल रहा है। कांग्रेस का प्रत्याशी सपा में और सपा का प्रत्याशी कांग्रेस में जा रहा है। तब किसी प्रकार जोड़तोड़ कर चुनावी अखाड़े में यह दांव आजमा रहे हैं। वहीं मतदाता पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा को आशीर्वाद देने के लिए आश्वस्त हैं। कहा कि पहले बड़े-बड़े दावे होते थे, लेकिन दुश्मन देश के घुसपैठिये भारत में घुस जाते थे। आज घुसने में कांपते हैं। हमने सर्जिकल स्ट्राइक से बता दिया कि हम घुसपैठियों का क्या हाल करते हैं। पूवार्चल का आतंक और उग्रवाद कम हुआ है। मेडिकल कॉलेज, आईआईटी, आईआईएम, एम्स, मेट्रो, स्वास्थ्य सेवाओं जरूरत के हिसाब से उपलब्ध कराई जा रही हैं। निशुल्क राशन, बिजली, शौचालय, नौजवानों के हाथों को काम, स्किल देने का काम सरकार ने किया। कोई क्षेत्र ऐसा नहीं जिसमें काम न किया गया हो। देश में जो चुनावी लड़ाई चल रही है, ये साफ दिखाई दे रहा है। एक तरफ फैमिली फर्स्ट और दूसरी तरफ नेशन फर्स्ट वाले लोग हैं।

अब सरकारी तंत्र में डाका नहीं पड़ता- कहा कि एक तरफ जातिगत बातें करके सामाजिक ताने बाने को छिन्न-भिन्न किया जाता है, दूसरी तरफ एक भारत श्रेष्ठ भारत की बात करने वाली भाजपा है। एक तरफ सरकारी तंत्र में डाका डालने वाली पार्टियां है, दूसरी तरफ भ्रष्टाचार मिटाने वाली सरकार है। कहा कि पहले सूर्य अस्त होने के बाद थानों में ताले लग जाते थे। आज ज्यादातर अपराधी अपनी जमानतें तुड़वाकर जेल पहुंच जाते हैं। लेकिन अब तो वह वहां भी जाने से डर रहे हैं। आज अपराधी गले में पट्टी लटकाकर कह रहे हैं कि हम ठेला लगाकर जीवन यापन कर लेंगे, बस हमारी जान बख्श दो। कहा कि अब प्रदेश में दंगा नहीं चलेगा। त्योहारों पर कर्फ्यू नहीं लगता।

मोदी गांरटी से हर काम 100 फीसदी होता है- कहा कि आज मोदी की गारंटी दी जा रही है। आज किसानों को सम्मान निधि मिलती है। परिवारों को सिर छिपाने के लिए घर मिलता है, हर घर को शौचालय मिलता है, पांच लाख तक का इलाज मुफ्त मिलता है। यही है मोदी की गांरटी, जहां शत फीसदी की गारंटी ली जाती है।

कांग्रेस को एक और बड़ा झटका, बॉक्सर विजेंदर सिंह भाजपा में हुए शामिल

नई दिल्ली। आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगा है। मुक्केबाजी में भारत के पहले ओलंपिक पदक विजेता और कांग्रेस नेता विजेंदर सिंह भाजपा में शामिल हो गए हैं। विजेंदर सिंह ने 2019 का लोकसभा चुनाव कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में दक्षिणी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से लड़ा था लेकिन वो हार गए थे। उनका नाम पिछले कुछ दिनों से मथुरा से पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चर्चा में था, जहां से अभिनेत्री और मौजूदा सांसद हेमा मालिनी फिर से चुनाव लड़ रही हैं। विजेंदर सिंह जाट समुदाय से आते हैं, जिसका हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में बड़ी संख्या में सीटों पर राजनीतिक प्रभाव है। भाजपा में शामिल होने के बाद विजेंदर सिंह ने कहा देश के विकास और लोगों की सेवा के लिए मैं आज भाजपा में शामिल हुआ हूं। बॉक्सर विजेंदर कुमार ने देश को ओलपिंक में बॉक्सिंग में पहला पदक जिताया था। विजेंदर सिंह का जन्म 29 अक्टूबर, 1985 को हरियाणा के भिवानी में हुआ। पिता नाम महिपाल सिंह बेनीवाल है। जो हरियाणा रोडवेज में बस ड्राइवर रहे। उनकी मां गृहणी हैं। विजेंद्र बेहद निम्न मध्यम वर्गीय परिवार से जुड़े हैं। विजेंद्र सिंह ने अपनी शुरूआती पढाई भिवानी से ही पूरी की है।

इस बार सपा का सूपड़ा साफ करना है : शाह

मुजफ्फरनगर। लोकसभा चुनाव का प्रचार जोर पकड़ रहा है। आज गृह मंत्री अमित शाह और रालोद अध्यक्ष जयंत सिंह संयुक्त रूप से जनसभा को संबोधित करने पहुंचे। रैली स्थल पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। वहीं, बम निरोधक दस्ते व डॉग स्क्वायड ने सभा स्थल के साथ पूरे मैदान की जांच की। अमित शाह और जयंत चौधरी को सुनने के लिए लोगों की भीड़ सुबह से ही रैली स्थल पर जुटने लगी। कस्बे के राष्ट्रीय इंटर कॉलेज के मैदान पर आज केंद्रीय राज्य मंत्री और भाजपा प्रत्याशी डॉ. संजीव बालियान के समर्थन में जनसभा आयोजित की गई। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह व रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह समेत क्षेत्र के कई दिग्गज मौजूद रहे। सभास्थल पर सुरक्षा के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिसबल के साथ भारी मात्रा में पुलिसबल तैनात किया गया। रैली में रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी और अमित शाह के मंच पर पहुंचते ही मौजूद नेताओं ने उनका अभिवादन किया। इस दौरान मंत्री संजीव बालियान भी मंच पर मौजूद रहे। रालोद अध्यक्ष जयंत सिंह ने कहा कि चौधरी अजित सिंह आखरी बार मुजफ्फरनगर ही आए थे। वह चाहते थे कि गरीबों का सम्मान हो, कल्याण हो। वे लोग वोट लेने के लिए चौधरी चरण सिंह का नाम लेते थे, लेकिन भारत रत्न मिलने पर खुशी नहीं जताई। कहा कि पहले चरण में चुनाव है कोई कसर मत छोड़ देना। कोई टक्कर नहीं बची है। उन्होंने सपा से अलग होने पर पलटवार करते हुए कहा कि मैं पलटा नहीं हूं, इसे पटखनी मारना कहते हैं। कहा कि किसानों के लिए सरकार फैसले लेगी। जो सरकार चौधरी चरण सिंह को सम्मान दे रही है वह किसानों का सम्मान है।

रैली के मंच से बोलेते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि इस बार चुनाव में सपा का सूपड़ा साफ करना है। इसी भूमि से चौधरी चरण सिंह ने किसानों की आवाज उठाने का काम किया। भाजपा सरकार ने गरीब कल्याण के कार्य किए। गन्ने के दाम बढ़ाए। बसपा ने 19, सपा ने 10 बंद कराई, जबकि बीजेपी ने मिलें शुरू कराईं। कश्मीर हमारा है, बीजेपी सरकार ने धारा 370 हटाई। सपा कांग्रेस का घमंडिया गठबंधन कभी राम मंदिर नहीं बनने देता। कैराना से पहले पलायन होता था। 2017 के बाद यूपी से गुंडे पलायन करने लगे हैं। उनका मकसद परिवार के आदमी को सीएम और पीएम बनाना है, बीजेपी गरीबों को आगे बढ़ा रही है। शाहपुर में आज आयोजित की गई रैली में पूर्व मंत्री अनुराधा चौधरी, विधायक मदन भैया, पूर्व विधायक उमेश मलिक, विक्रम सैनी, पूर्व सांसद राजपाल सैनी, एमएलसी वंदना वर्मा, पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप, भाजपा जिला अध्यक्ष सुधीर सैनी, पूर्व विधायक मिथिलेश पाल, रालोद जिला अध्यक्ष संदीप मलिक मौजूद हैं। मंच से जनता को संबोधित करते हुए परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह ने कहा कि राम मंदिर के लिए कई पीढ़ियों ने बलिदान दिया। चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न किसानों का सम्मान है। राहुल गांधी और सोनिया गांधी यूपी का मैदान छोड़कर चले गए हैं। पूरा प्रदेश एनडीए की तरफ देख रहा है। मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने कहा कि भाजपा ने हर वर्ग का सपना पूरा किया। गरीबों के लिए कार्य किए गए। कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने कहा कि गठबंधन पूरी ताकत से चुनाव लड़ेगा। रालोद और बीजेपी का गठबंधन मजबूत है। रालोद विधान मंडल दल के नेता राजपाल बालियान ने कहा कि गठबंधन अपनी ताकत दिखाएगा। खिलाड़ियों का पूरा सम्मान किया गया है।

वीवीपैट मामले पर अगले हफ्ते सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ईवीएम के साथ वीवीपैट मशीन की पर्चियों के मिलान के मामले पर अगले हफ्ते सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि एडीआर की तरफ से दायर की गई याचिका अगले हफ्ते मंगलवार या बुधवार के लिए सूचीबद्ध की जाएगी।

याचिकाकर्ता संगठन एडीआर की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए वकील प्रशांत भूषण ने मांग की कि याचिका पर जल्द सुनवाई की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को वीवीपैट के मुद्दे पर दायर एक अन्य याचिका पर चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को नोटिस भेजकर जवाब मांगा था। वरिष्ठ वकील गोपाल शंकर नारायणन भी इस मामले में कोर्ट में पेश हुए और उन्होंने कहा कि चुनाव नजदीक हैं और अगर इस मामले पर सुनवाई नहीं की गई तो यह याचिका निष्फल हो जाएगी।

जस्टिस खन्ना के साथ ही पीठ में जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस बेला एम त्रिवेदी भी शामिल रहे। पीठ ने कहा कि 'वे हालात से वाकिफ हैं और अगले हफ्ते मामले पर सुनवाई करेंगे।' बीते साल 17 जुलाई को शीर्ष अदालत ने एडीआर की याचिका पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा था।

अपनी याचिका में एनजीओ ने मांग की है कि चुनाव आयोग और केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करें कि मतदाता वीवीपैट मशीन के जरिए अपने वोट की पुष्टि कर सकें। सुप्रीम कोर्ट में एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने याचिका दायर कर ईवीएम मशीनों के साथ वीवीपैट (वोटर वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल) पर्चियों का मिलान करने की मांग की थी। वीवीपैट एक स्वतंत्र वोट सत्यापन मशीन है, जिससे पता चलता है कि मतदाता ने जो वोट डाला है, वो सही तरीके से डाला गया है या नहीं। अभी वीवीपैट पर्चियों के माध्यम से सिर्फ पांच कोई भी चयनित ईवीएम के सत्यापन का चलन है। सुप्रीम कोर्ट के वकील और सामाजिक कार्यकर्ता अरुण कुमार अग्रवाल ने भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर वीवीपैट पर्चियों की पूरी गिनती करने और उनकी ईवीएम से मिलान करने की मांग की है।

भाजपा ने आतिशी को भेजा मानहानि का नोटिस, कहा- बीजेपी में शामिल होने के ऑफर का सबूत दें

नई दिल्ली। आप मंत्री आतिशी ने मंगलवार को प्रेसवार्ता में आरोप लगाया कि उन्हें भाजपा में शामिल होने का ऑफर आया है। करीबी व्यक्ति के माध्यम से उन्हें भाजपा में शामिल होने के लिए संपर्क किया गया है। उन्हें कहा गया है कि भाजपा में शामिल होकर राजनीतिक करिअर बचा लो, अन्यथा महीने भर में ईडी गिरफ्तार कर लेगी। कुछ दिनों में उनके आवास, रिश्तेदारों व परिवार वालों के घर रेड होगी और समन भेजे जाएंगे। वहीं, अब भाजपा ने आतिशी के आरोपों के बाद उन्हें मानहानि का नोटिस भेजा है। दिल्ली बीजेपी प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, 'हमने (दिल्ली की मंत्री और आप नेता आतिशी) को सबूत देने के लिए कानूनी नोटिस दिया है, हम उन्हें भागने नहीं देंगे। इस बार उन्हें जवाब देना होगा। आतिशी के कल बयान पर हमने कहा था कि आप झूठ बोल रही हैं। आपके आरोप बेबुनियाद हैं। हमने कल शाम तक उन्हें माफी मांगने का समय दिया था, अब वह समय खत्म हो चुका है और उन्हें मानहानि का नोटिस दिया गया है। उन्हें इसका जवाब देने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है अगर उनका जवाब नहीं आया तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।' दिल्ली बीजेपी प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, "वह (दिल्ली की मंत्री और आप नेता आतिशी) झूठ बोल रही हैं और उनके आरोप निराधार हैं और झूठ बोलना आप की प्रकृति में है। हमने उन्हें माफी मांगने के लिए समय दिया था, लेकिन उन्होंने माफी नहीं मांगी। इसलिए हम मानहानि का नोटिस भेजा है।' उधर, आतिश ने मंगलवार को कहा कि भाजपा लोकसभा चुनाव से पहले आप के चार और नेताओं को गिरफ्तार करने की तैयारी में है। इनके अलावा सौरभ भारद्वाज, दुर्गेश पाठक और राघव चड्ढा को गिरफ्तार किया जाएगा। भाजपा को उम्मीद थी कि केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आप टूट जाएगी, लेकिन रामलीला मैदान की रैली और 10 दिन से सड़क पर आप के संघर्ष के बाद भाजपा को लगता है कि शीर्ष चार नेताओं को गिरफ्तार करना काफी नहीं था, इसलिए चार अन्य नेताओं को भी गिरफ्तार करने की योजना बनाई गई है।

ताइवान में 7.7 तीव्रता का भूकंप, सात की मौत व 700 से ज्यादा लोग घायल

ताइपे। ताइवान में बुधवार सुबह जोरदार भूंकप आया है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के मुताबिक भूकंप की तीव्रता 7.7 आंकी गई है। भूकंप के झटकों से शहर के कई हिस्सों में बिजली गुल हो गई। दक्षिणी जापान और फिलीपींस के द्वीपों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई है। ताइवान में भूकंप के बाद सामने कुछ तस्वीरें आई हैं। इन तस्वीरों से साफ पता चलता है कि भूकंप कितनी तेज तीव्रता का आया होगा। भूकंप के बाद मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। ताइवान सरकार ने बताया कि मरने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। वहीं, घायलों की संख्या भी 700 से अधिक हो गई है। सना हाशमी ने कहा कि प्राधिकरण ने भूकंप के हालातों से निपटने के लिए जल्द कदम उठाए। कुछ क्षेत्रों में कुछ घंटों के लिए बिजली चली गई थी। मेट्रो, हाईस्पीड ट्रेन फिर से शुरू कर दी गई है। जहां ताइपे जैसे हालात नहीं हैं, वहां काफी हद तक जीन सामान्य हो गया है। ताइवान-एशिया एक्सचेंज फाउंडेशन की सना हाशमी ने कहा कि भूकंप के झटके सुबह-सुबह महसूस किए। जिस समय भूकंप आया उस समय हम घर पर ही थे। ताइवान में भूकंप आना आम हैं, लेकिन आज का भूकंप अलग था। उन्होंने कहा कि भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। ह्यूलिन और ताइपे जैसी जगहों से आने वाली तस्वीरें डरावनी हैं। ताइवान के पूर्वी हिस्से में आए भूकंप के बाद न्यू ताइपे शहर में एक क्षतिग्रस्त इमारत में फंसे एक व्यक्ति को जिंदा बचाया। ढही इमारतों में जिंदा बचे लोगों की आपातकालीन कर्मचारी तलाश कर रहे हैं। न्यू ताइपे शहर के झिंडियन जिले में इमारतों को नुकसान पहुंचा। बचावकर्मी फंसे हुए लोगों की तलाश कर रहे हैं। क्षतिग्रस्त इमारत से बचाए जाने के बाद एक व्यक्ति की सहायता करते बचाव कर्मचारी। ताइवान में आए भूकंप में अब कम से कम चार लोगों के मारे जाने की खबर है। राष्ट्रीय अग्निशमन एजेंसी ने बताया कि हुआलीन काउंटी में चार लोगों की मौत हो गई।

रोडवेज की बसों में लगाई जाएंगी स्लीपिंग अलर्ट डिवाइस, झपकी आते ही चालक को जगाएंगी

बरेली। रोडवेज बसों में यात्रा के दौरान चालक को झपकी आने के कारण होने वाले हादसों को रोकने के लिए बसों में स्लीपिंग अलर्ट डिवाइस लगाई जाएंगी। यात्रा के दौरान चालक को झपकी आने पर सेंसर युक्त इस डिवाइस में अलार्म बोलेगा। इसके बाद भी अगर चालक को नींद और झपकी आती है तो तेज आवाज सायरन चालक-परिचालक समेत यात्रियों को भी अलर्ट कर देगा। पहले चरण में बरेली रीजन की लंबे रूट पर 75 बसों में यह आधुनिक सेंसर युक्त डिवाइस लगाई जाएगी। लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, एनसीआर के जिलों की बसों में डिवाइस लगाने का काम शुरू हो गया है। अप्रैल के अंत तक बरेली रीजन की बसों में भी डिवाइस लगाने का काम शुरू हो जाएगा।

एक डिवाइस की कीमत 15 से 18 हजार रुपये- एक स्लीपिंग अलर्ट डिवाइस की कीमत 15 से 18 हजार रुपये है। इस डिवाइस को चालक की सीट से कनेक्ट करते हुए लगाया जाएगा। डिवाइस के सेंसर चालक की आंखों के साथ चालक की मनोदशा पर भी नजर रखेंगे। चालक को नींद और झपकी आने पर दो बार अलार्म बोलेगा। इसके बाद सायरन बोलेगा। सेवा प्रबंधक धनजीराज ने बताया कि रोडवेज बसों में

स्लीपिंग अलर्ट डिवाइस लगाई जाएंगी। पहले चरण में बरेली रीजन की 75 बसों को डिवाइस लगाने के लिए चिन्हित किया गया है। यात्रा के दौरान बस चालक को झपकी या नींद आने पर इस डिवाइस में अलार्म और तेज आवाज सायरन बोलेगा। इससे हादसों का खतरा कम होगा और यात्रा सुरक्षित होगी।

हम न्याय के नए युग में कदम रख रहे हैं : राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल कर लिया है। नामांकन दाखिल करने से पहले उन्होंने वायनाड में रोड शो किया। इस दौरान उनका जोरदार स्वागत किया गया। रोड शो में करीबन हजारों की संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। बता दें कि 2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी ने वायनाड से चार लाख से अधिक मतों के भारी अंतर से जीत हासिल की थी। राहुल गांधी का रोड शो सुबह के 11 बजे शुरू हुआ।

उन्होंने लोगों को संबोधित भी किया। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, "आपका सांसद सदस्य होना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं आपको मतदाता के तौर पर नहीं देखता हूं। मैं आपके साथ वैसा ही व्यवहार करता हूं और आपके बारे में वैसा ही सोचता हूं जैसा मैं अपनी बहन के लिए करता हूं। क्योंकि वायनाड के घरों में मेरी मां, बहन, भाई और पिता रहते हैं।" उन्होंने आगे कहा, "हम न्याय के नए युग में कदम रख रहे हैं। मैं पूरी निष्ठा से जनता की सेवा करना चाहता हूं।" राहुल गांधी ने मानव-पशु संघर्ष के मुद्दे पर भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, "राज्य में मानव-पशु संघर्ष और मेडिकल कॉलेज बनाने जैसे मुद्दे हैं। मैं इस लड़ाई में वायनाड के लोगों के साथ खड़ा हूं। हमने मेडिकल कॉलेज बनाने के लिए सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश भी की। मैंने मुख्यमंत्री को भी चिट्ठी लिखी, लेकिन दुर्भाग्यवश प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाई। मुझे पूरा विश्वास है कि दिल्ली में हमारी सरकार बनेगी और जब केरल में भी हमारी सरकार बनेगी तो हम इन मुद्दों का समाधान करेंगे।"

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि यह चुनाव लोकतंत्र और संविधान की लड़ाई के लिए है। एक तरफ कुछ ऐसी शक्तियां है जो देश के लोकतंत्र और संविधान को नष्ट करना चाहती है। वहीं, दूसरी तरफ एक ऐसी शक्ति है जो देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने की कोशिश कर रही है। यह आपके सामने स्पष्ट है कि कौन किसके तरफ है। यह साफ है कि कौन संविधान पर हमला कर रहा है।

राहुल गांधी के इस रैली में उनकी बहन प्रियंका गांधी के अलावा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) महासचिव के सी वेणुगोपाल एवं दीपा दास, एआईसीसी की छात्र इकाई भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के प्रभारी कन्हैया कुमार, राज्य विधानसभा में विपक्ष के वी डी सतीशन एवं केपीसीसी (केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी) के कार्यकारी अध्यक्ष एम एम हसन भी शामिल थे। बता दें कि राहुल गांधी वायनाड लोकसभा सीट से भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष के. सुरेंद्रन और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) की नेता एनी राजा के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। केरल में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान 26 अप्रैल को होगा।

लोकसभा चुनाव में नहीं दिखेंगे सुशील मोदी, राजनीति से संन्यास की वजह बताई- कैंसर से जूझ रहा हूं

पटना। पूर्व उपमुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरीय नेता सुशील मोदी ने राजनीति से संन्यास ले लिया है। लोकसभा चुनाव के बीच उन्होंने यह एलान किया है। सोशल मीडिया पर उन्होंने स्पष्ट लिखा कि पिछले छह माह से कैंसर से संघर्ष कर रहा हूं। अब लगा कि लोगों को बताने का समय आ गया है। लोकसभा चुनाव में कुछ कर नहीं पाऊंगा। प्रधानमंत्री को सब कुछ बता दिया है। देश, बिहार और पार्टी का सदा आभार और सदैव समर्पित। वहीं सुशील मोदी के इस एलान के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरीय नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हूं। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि चुनाव में बहुत कमी खलेगी। वहीं राष्ट्रीय जनता दल के वरीय नेता शिवानंद तिवारी ने कहा कि सुशील मोदी की बीमारी की खबर सुनकर बहुत पीड़ा हुई। 1974 के बिहार आंदोलन से उपजे त्रिमूर्ति में से सुशील एक हैं। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष दोनों का नेतृत्व आज इन्हीं त्रिमूर्ति के हाथ में है। लालू प्रसाद, नीतीश कुमार और सुशील मोदी तीनों उसी आंदोलन से निकले हैं और धीरे-धीरे इन लोगों ने बिहार की राजनीति की पुरानी पीढ़ी को अपदस्थ किया। लगभग तीस वर्षों से इन्हीं तीनों के हाथ में बिहार की राजनीति का नेतृत्व है। शिवानंद

तिवारी ने आगे लिखा कि सुशील और मैं लगभग तीन महीना बांकीपुर जेल में एक साथ और एक ही सेल में रहा। हमलोगों में तीखा वैचारिक मतभेद रहा है। लेकिन, सबकुछ के बावजूद सुशील मोदी के साथ मेरा स्नेहिल संबंध बना रहा है। सुशील जुझारू नेता रहे हैं। हम उम्मीद करते हैं कि बीमारी के समक्ष भी सुशील मोदी का जुझारूपन बना रहेगा। हमारी दुआएं उनके साथ है।

संपादकीय

कांग्रेस को टैक्स राहत

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करती है कि राष्ट्रीय चुनावों में विपक्षी दलों को मुकाबले में चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता के साथ कितने समान अवसर मिलते हैं। हाल के दिनों में पार्टी के बकाया कर मामले में कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि उसके खाते सील होने के चलते उसे चुनाव लड़ने में दिक्कत हो रही है। वह अपने प्रत्याशियों को हवाई टिकट नहीं दे पा रही है। यह भी कि वह बड़ी चुनावी रैलियां नहीं कर पा रही है। आरोपों की तार्किकता और देश में सबसे लंबे समय तक राज करने वाली पार्टी का वित्तीय प्रबंधन अपनी जगह है, लेकिन किसी भी मुकाबले का नैतिक नियम यही है कि चुनावी मुकाबले में हर राजनीतिक दल को बराबर का अवसर दिया जाए। बहरहाल, अब केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को वचन दिया है कि जुलाई तक आयकर विभाग कांग्रेस से बकाया तीन हजार पांच सौ करोड़ से अधिक के कर वसूलने के बाबत कोई भी कठोर कदम उठाने से परहेज करेगा। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान में कुछ ही हफ्ते बाकी रह गये हैं। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस को राहत देने के चलते यह प्रकरण कर मामलों के राजनीतीकरण के बाबत प्रासंगिक प्रश्न भी उठाता है। यही वजह है कि कांग्रेस समेत विपक्षी दल आरोप लगाते रहे हैं कि सत्तारूढ़ दल कर आतंकवाद के जरिये राजनीतिक लाभ उठाने के लिये राज्यतंत्र का दुरुपयोग कर रहा है। यह प्रकरण इन्हीं आरोपों की कड़ी को विस्तार देता है। निश्चित रूप से, बार-बार आयकर विभाग की चेतावनी और ठीक चुनाव से पहले कांग्रेस के फंड पर रोक कई सवालों को जन्म देती है। जो किसी भी स्वतंत्र लोकतंत्र की पारदर्शी व्यवस्था पर सवालिया निशान लगाता है क्योंकि ऐन चुनाव के वक्त पार्टी फंड पर रोक लगाने से कोई भी राजनीतिक दल चुनाव प्रचार अभियान में पंगु हो जाता है। जो किसी भी लोकतंत्र के लिये शुभ संकेत कदापि नहीं कहा जा सकता। बहरहाल, चुनाव के कुछ समय बाद तक आयकर बकाया मामले में कांग्रेस के खिलाफ आयकर विभाग द्वारा कोई कार्रवाई न करने का वायदा निश्चित रूप से कांग्रेस को तात्कालिक वित्तीय दबाव से कुछ राहत जरूर देगा। लेकिन यह कदम कर कानून प्रवर्तन में निष्पक्षता और पारदर्शिता की अंतर्निहित चिंताओं का समाधान प्रदान नहीं करता है। निश्चित रूप से ऐसे मामलों में निष्पक्ष रूप से निर्णय लेने में न्यायपालिका की भूमिका कानून के शासन को स्थापित करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण हो जाती है। इसी आरोप-प्रत्यारोप वाले राजनीतिक परिदृश्य में बीते रविवार को दिल्ली में इंडिया गठबंधन द्वारा आयोजित लोकतंत्र बचाओ रैली हमारे लोकतांत्रिक संस्थानों के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों को देश के जनमानस के सामने रखती है। विपक्षी नेताओं का आरोप रहा है कि असहमति की आवाज को दबाने के लिये सत्तारूढ़ दल सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रहा है। नेताओं ने विपक्षी नेता अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को राजनीतिक दुराग्रह से की गई कार्रवाई के रूप में दशार्या है। बहरहाल, विपक्षी गठबंधन में तमाम अंतर्विरोधों के बावजूद सरकारी एजेंसियों द्वारा विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार करने के मुद्दे ने विपक्षी दलों में प्राणवायु का संचार किया है। इसी मुद्दे को लेकर संयुक्त मोर्चा जन समर्थन जुटाना चाहता है। वहीं दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन के सहयोगियों ने चुनाव आयोग से मांग की है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान सरकारी एजेंसियों की कार्रवाई पर रोक लगे। वहीं कथित चुनावी कदाचार की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में की जाए। यानी चुनाव प्रक्रिया के दौरान संस्थागत निष्पक्षता से ही लोकतंत्र को मजबूती मिलेगी। निश्चित रूप से देश के लोकतांत्रिक ढांचे में जनता का भरोसा तभी कायम रह पाएगा जब चुनावी प्रक्रिया में राजनीतिक दलों के लिये समान अवसर सुनिश्चित किए जाएंगे। इस चुनावी प्रक्रिया में अनुचित प्रभाव डालने का कोई प्रयास व किसी भी तरह की ऊंच-नीच की कोई धारणा लोकतंत्र की बुनियाद को कमजोर ही करती है।

टिकट नहीं कन्फर्म!

खूब चलाई ट्रेन ।
बहुत बिछाया जाल ।।
टिकट नहीं कन्फर्म ।
बड़ा बुरा है हाल ।।
रोज है स्पेशल ।
नहीं है लेकिन बर्थ ।।
खूब मशक्कत होती ।
है सब कुछ पर व्यर्थ ।।
है करना स्वीकार अब ।
तंत्र का उपहार ।।
बड़ी ये आबादी ।
है हर दम लाचार ।।
कब होना सुधार ?
है भविष्य के गर्भ ।।
व्याकुल रहते यात्री ।
इसी के सन्दर्भ ।।

–कृष्णेन्द्र राय

पलटूरामों को सबक सिखाने का है वक्त

विश्वनाथ सचदेव

गुजराती के प्रतिष्ठित कवि हैं वे। उस दिन टेलीफोन पर क्रिकेट मैच देखते हुए अचानक बोले, हम ऐसा क्यों नहीं कर सकते हैं? क्या नहीं कर सकते हैं हम, जब उनसे यह पूछा तो उन्होंने कहा, वही, जो क्रिकेट के दर्शक कर रहे हैं। फिर उन्होंने जैसे समझाते हुए कहा था, हार्दिक गुजरात से खेलता था, वह पाला बदलकर मुंबई की टीम का कप्तान बन गया है। दर्शक इस पलटूराम को स्वीकार नहीं कर रहे, इसलिए उसके खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। हम अपने राजनेताओं के साथ ऐसा क्यों नहीं कर सकते? हमें भी उनका बहिष्कार कर देना चाहिए। और फिर हम हंस दिये थे।

यह सवाल सिर्फ हंसने वाला नहीं था। चुनाव का मौसम चल रहा है। आये दिन नेताओं के पाला बदलने की खबरें आ रही हैं। फलाना नेता फलाना दल छोड़कर फलाने दल में चला गया है, फलाना नेता घर-वापसी कर गया है, फलाने नेता ने कल रात दल न बदलने की कसम खायी थी, आज सवेरे वह फिर दल बदलू बन गया है, अखबारों में इस तरह के शीर्षक आम बात हो गये हैं। टी.वी. चैनलों पर चटकारे ले-लेकर इस आशय की खबरों को सुनाया-दिखाया जा रहा है। न दल बदलुओं को अपनी कथनी-करनी पर शर्म आ रही है और न ही राजनीतिक दलों को कोई संकोच हो रहा है उनका स्वागत करने में जिन्हें कल तक वह भ्रष्टाचारी, बेईमान, धोखेबाज जैसे विशेषणों से नवाजा करते थे। मेरा गुजराती कवि मित्र ऐसे ही लोगों की बात कर रहा था पर कौन सुन रहा है उसकी बात? लेकिन इस आवाज को सुना जाना जरूरी है। खास तौर पर जनतांत्रिक व्यवस्था में जहां मतदाता उम्मीदवार की नीतियों, बातों पर भरोसा करके उसे अपना प्रतिनिधि चुनता है। ऐसे निर्वाचित प्रतिनिधियों का कोई अधिकार नहीं बनता कि वे अपने मतदाता के साथ इस तरह की धोखेबाजी करें।

हां, ऐसे दलबदलुओं को धोखेबाज ही कहा जा सकता है जिनके लिए येन-केन प्रकारेण सत्ता में हिस्सेदारी करना ही राजनीति का उद्देश्य है। दुर्भाग्य यह है कि इस धोखेबाजी को हमारी राजनीति में ही नहीं, हमारे जीवन में भी स्वीकार कर लिया गया है! जनता की, जनता के लिए, और जनता द्वारा चुनी गयी सरकार वाली व्यवस्था में यह मानकर चला जाता है कि चुने हुए प्रतिनिधि कुछ नीतियों-कार्यक्रमों के आधार पर जनता के हित में काम करेंगे। मतदाता भी कुछ घोषित नीतियों और आश्वासनों के आधार पर अपना प्रतिनिधि चुनते हैं और यह मानकर चला जाता है कि सत्ता में होने के अपने कार्य-काल में चुने हुए नेता और राजनीतिक दलगत उन नीतियों और आश्वासनों के अनुरूप कार्य करेंगे। दलगत राजनीति वाली जनतांत्रिक व्यवस्था में कुछ नीतियों के आधार पर दलों का गठन होता है और यह अपेक्षा होती है कि राजनीतिक दल अपनी घोषित नीतियों के प्रति ईमानदार रहेंगे। पर अक्सर ऐसा होता नहीं। पिछले 75 सालों में हमने राजनीतिक दलों और राजनेताओं की सिद्धांतहीन और अनैतिक राजनीति के ढेरों उदाहरण देखे हैं। इस समय देश में 18वीं लोकसभा की चुनाव प्रक्रिया चल रही है। राजनीतिक दल अपने उम्मीदवारों के चयन में लगे हैं और राजनेता उन राजनीतिक दलों का दामन पकड़ने की कोशिश में हैं जो उन्हें जीत की कच्ची-पक्की गारंटी दे सकते हैं। उम्मीदवारों के चयन का आधार सिर्फ उनके जीतने की संभावनाएं ही हैं। यह बात कोई मायने नहीं रखती कि वे कैसे जीतते हैं- बस जीतना चाहिए।

जनतांत्रिक व्यवस्था सिर्फ एक प्रणाली नहीं है, एक जीता-जागता विचार है यह प्रणाली। बहुमत के आधार पर घोषित नीतियों के अनुसार शासन चलाने के लिए व्यक्तियों-दलों को चुना जाता है। उम्मीद की जाती है कि उन नीतियों का पालन होगा। इस प्रणाली में मतदाता सिर्फ अपना प्रतिनिधि ही नहीं चुनता, निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से शासन के संदर्भ में अपने विचार भी स्पष्ट करता है। मतदाता के इन विचारों का सम्मान होना ही चाहिए। पर, इस संदर्भ में हम जो कुछ अपने देश में होता देख रहे हैं, वह कुल मिलाकर निराश ही करता है। पिछले 75 सालों में हमने बार-बार इस बात को देखा है कि चुने जाने के बाद राजनेता और राजनीतिक दल सिर्फ आश्वासनों को ही नहीं भूलते, उन नीतियों-मूल्यों को भी याद रखने की आवश्यकता नहीं समझते जिनकी दुहाई देकर वे सत्ता में पहुंचते हैं। चुने जाने के लिए दल बदलना ऐसे ही सत्ताकामी सोच का उदाहरण है। ऐसा नहीं है कि इस विसंगति की ओर कभी, या किसी का ध्यान नहीं गया। ध्यान गया था। इसीलिए कुछ ऐसी व्यवस्थाएं भी बनायी गयीं जो दल-बदल से उत्पन्न अराजक स्थिति को कुछ संवारे। लगभग चालीस साल पहले वर्ष 1985 में देश में दल-बदल विरोधी कानून भी बना था। पर तू डाल-डाल मैं पात-पात वाली स्थिति बनती रही। दलबदलुओं को हेय दृष्टि से भी देखे जाने की बात कही जाती है, पर व्यवहार में जो कुछ दिख रहा है वह शर्म इनको मगर नहीं आती का उदाहरण ही प्रस्तुत करने वाला है। दल-बदल करने वाले किसी नेता को कभी शर्मिंदा होते नहीं देखा गया। उल्टे विचारों और सिद्धांतों की राजनीति को ही एक शर्मनाक स्थिति में पहुंचा दिया गया है। मर जाऊंगा, पर अब फलां दल के साथ नहीं जाऊंगा कहने वाला, और ईमानदार राजनीति का दावा करने वाला बिना किसी हिचक के दल-विशेष की शरण में चला जाता है और घोषणा करने लगता है कि अब इधर-उधर नहीं जाना है। ऐसे दल-बदलुओं के नाम गिनाने की आवश्यकता नहीं है। हर दल में ऐसे लोग मिल जाएंगे। मजे की बात यह है कि ऐसा दल-बदल हमेशा समाज और देश की सेवा के नाम पर होता है! हर दल बदलू यह दावा करता है कि वह ईमानदार राजनीति का उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है- दल बदलने में उसका कोई निजी स्वार्थ नहीं है! जैसा कि स्वाभाविक है, दल-बदलू अक्सर सत्तारूढ़ दल की ओर ही आकर्षित होते हैं। ताजा उदाहरण हाल के सालों का है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार सन?् 2014 और 2021 के बीच 7 सालों में 426 दलबदलू अपने दल छोड़कर केंद्र में सत्तारूढ़ दल भाजपा में शामिल हुए थे। इनमें 253 विधायक हैं और 173 सांसद। इसकी तुलना में कांग्रेस पार्टी में कुल 176 दल-बदलू शामिल हुए थे। यह सवाल तो पूछा ही जाना चाहिए कि दलबदलुओं को सत्तारूढ़ दल ही ज्यादा आकर्षित क्यों करता है? पूछा तो यह भी जाना चाहिए कि संसद में भारी-भरकम बहुमत वाले भाजपा जैसे दल को दलबदलुओं की आवश्यकता क्यों महसूस होती है?

इस संदर्भ में एक सवाल तो मतदाता से भी बनता हैझ्र वह क्यों ऐसे राजनेताओं को समर्थन देता है जिनके दामन पर दल-बदलू होने का दाग हो? फिर, कोई व्यवस्था तो ऐसी भी होनी चाहिए जिसमें सिद्धांतहीन राजनीति पर कोई अंकुश लग सके। और कुछ नहीं तो सत्ता के लालच में दल बदलने वालों को शर्मिंदा करने की कोई कोशिश तो हो ही सकती है। आईपीएल में अपनी टीम बदलने वाले खिलाड़ी के खिलाफ स्टेडियम में नारेबाजी भले ही संगत न लगे, पर राजनीति के मैदान में तो ऐसा कुछ होना ही चाहिए कि मतदाता अपने निर्वाचित प्रतिनिधि से यह पूछ सके कि तुम्हें सिद्धांतहीन पाला-बदल करने में शर्म क्यों नहीं आती?

समझें ग्लोबल वॉर्मिंग के जोखिमों की गंभीरता

ज्ञानेन्द्र रावत

विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार, अगले पांच साल में वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने के 66 फीसदी आसार हैं। हालांकि पर्यावरण विज्ञानी जेक हौसफादर की मानें तो 1.5 डिग्री से. वैश्विक तापमान 2030 से पहले पहुंचने की उम्मीद नहीं है। लेकिन हरेक साल 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान के करीब पहुंचना भी बड़ा संकट है। ला नीना से अल नीनो में तबदील होने की स्थिति में जहां पहले बाढ़ आती थी वहां अब सूखा पड़ेगा और जहां पहले सूखा पड़ता था वहां अब बाढ़ के आने का अंदेशा है। दुनिया में तापमान में हो रही बढ़ोतरी खतरे का संकेत है। जलवायु परिवर्तन ने इसमें अहम भूमिका निभाई है।

दरअसल, तापमान की तुलना का यह वह समय है जब औद्योगीकरण से फॉसिल फ्यूल का उत्सर्जन शुरू नहीं हुआ था। विज्ञानियों ने अल नीनो के कारण गर्मी के इस तरह के भीषण उफान की आशंका जताई है। यह सब कोयला, तेल और गैस के जलाने की सभी सीमाएं पार करने का दुष्परिणाम है। फिर बीते सालों की प्राकृतिक घटनाओं को देखते हुए यह कम आश्चर्यजनक नहीं है कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से निपटने में तत्परता से कारगर कदम उठाने में वैश्विक समुदाय उतना सजग नहीं दिखता जितना होना चाहिए। बीते साल मार्च, 2023 से इस साल 2024 के बीच के बारह महीनों में वैश्विक तापमान ने 1.5 डिग्री की सीमा को पार कर लिया है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन यानी डब्ल्यूएमओ की रिपोर्ट की मानें तो न केवल बीता वर्ष बल्कि पूरा बीता दशक धरती पर अभी तक का सबसे गर्म दशक रहा है। संगठन ने चेतावनी देते हुए कहा है कि यह वर्ष भी गर्मी का रिकॉर्ड तोड़ सकता है।

यूरोपीय पर्यावरणीय एजेंसी यानी ईईए की मानें तो यूरोप तेजी से बढ़ते तापमान के कारण जलवायु संबंधित खतरों से जूझने के लिए तैयार नहीं है। जंगलों की आग की चपेट में वहां के घर आ रहे हैं, मौसमी आपदाओं का असर लोगों की आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर रहा है। इस बाबत ईईए की एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर कहती हैं कि यूरोप की जलवायु खतरे में है। यह खतरा हमारी तैयारियों की तुलना में तेज गति से बढ़ रहा है। हमें फसल और लोगों की सुरक्षा के लिए तात्कालिक कार्रवाई की जरूरत है। यदि निर्णायक कार्रवाई अभी नहीं हुई तो सदी के अंत तक अधिकतर जलवायु खतरे गंभीर होंगे। यदि तापमान वृद्धि दर पर अंकुश नहीं लगा तो सदी के अंत तक गर्मी से 1.5 करोड़ लोगों की जिंदगी संकट में आ जायेगी।

इसका अहम कारण जीवाश्म ईंधन के उत्सर्जन से सदी के अंत तक सर्वाधिक गर्मी होना है। अमेरिका की पर्यावरण संस्था ग्लोबल विटनेस और कोलंबिया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने कहा कि दुनिया की प्रमुख जीवाश्म ईंधन कंपनियों द्वारा तेल और गैस का अत्यधिक मात्रा में उत्सर्जन अहम कारण है। यदि उत्सर्जन स्तर 2050 तक यही रहा तो 2100 तक गर्मी भयावह स्तर तक पहुंच जायेगी। नतीजा लाखों जिंदगियों के अस्तित्व पर सवालिया निशान हो सकता है।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी के मॉडल पर गौर करें तो प्रत्येक मिलियन टन कार्बन में बढ़ोतरी से दुनियाभर में 226 अतिरिक्त हीटवेव की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी। यूरोपीय देशों में तेल कंपनियों में उत्पादित जीवाश्म ईंधन में 2050 तक वायुमंडल में 51 अरब टन कार्बन डाइआक्साइड उत्सर्जन बढ़ जायेगा। वहीं शुद्ध शून्य कार्बन लक्ष्य की प्राप्ति के बाद भी 55 लाख जिंदगियां जोखिम में होंगी।

शोधकताओं के मुताबिक, पिछले कुछ वर्षों में हीटवेव ने तकरीबन हर महाद्वीप को प्रभावित किया। क्लाइमेट चेंज जर्नल में प्रकाशित अध्ययन की मानें तो यदि तापमान में तीन डिग्री की बढ़ोतरी होती है तो जहां हिमालय में सूखा पड़ने की संभावना प्रबल है, वहीं सर्वाधिक नुकसान कृषि क्षेत्र को उठाना पड़ेगा। इससे सबसे अधिक भारत और ब्राजील का 50 फीसदी से अधिक कृषि क्षेत्र प्रभावित होगा। क्लाइमेट ट्रेंड्स की रिपोर्ट के मुताबिक जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से हिमालय पर कम सर्दी का सामना करना पड़ेगा। इसका कारण मौसम का पैटर्न बदलना रहेगा। वहीं अत्यधिक तापमान के असर से समय पूर्व जन्म दर में बढ़ोतरी का खतरा 60 फीसदी तक बढ़ जायेगा। बच्चों में हानिकारक स्वास्थ्य प्रभावों के लिए जिम्मेदार होगा। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट की मानें तो बढ़ते तापमान से अमेरिका से चीन तक खेत तबाह हो चुके हैं। इससे फसलों की कटाई, फलों का उत्पादन और डेयरी उत्पादन सभी दबाव में हैं। बाढ़, सूखा और तूफान की बढ़ती प्रवृत्ति ने इसमें और इजाफा किया है।

वाशिंगटन में सेंटर फार स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के खाद्य विशेषज्ञ कहते हैं कि उत्तरी अमेरिका, यूरोप और एशिया के बड़े हिस्से के किसान मुश्किल में हैं। दक्षिणी यूरोप में गर्मी के कारण गायें दूध कम दे रही हैं। इटली में अंगूर, खरबूजे, सब्जियों और गेहूं का उत्पादन प्रभावित हुआ है। मछलियों का आवास भी प्रभावित हुए बिना नहीं रहेगा। संयुक्त राष्ट्र की जलवायु समिति के अनुसार यदि धरती के तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस पर रोकना है तो 2030 तक कार्बन उत्सर्जन को 43 फीसदी तक घटाना होगा। आज धरती 1.7 डिग्री सेल्सियस तक गर्म हो चुकी है।

दरअसल, समस्या की जड़ जीवाश्म ईंधन है जिससे हमें दूर जाने की जरूरत है। फिर जलवायु संरक्षण की कार्रवाई में जी-20, सीओपी-29 और सीओपी 30 का आपस में कुछ न कुछ जुड़ाव जरूर है जिसे अनदेखा नहीं किया जा सकता। इसमें ग्लोबल साउथ की भूमिका कहां तक और कितनी सफल होगी, यह भविष्य के गर्भ में है। इसमें यह भी अहम है कि ग्लोबल वार्मिंग में वृद्धि को डेढ़ डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए हमें किस तापमान को बनाये रखने की जरूरत है, इस पर विचार करना महत्वपूर्ण होगा।

इंडिया की लोकतंत्र बचाओ महारैली के बेसुरे स्वर

ललित गर्ग

दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी गठबंधन इंडिया की लोकतंत्र बचाओं महारैली में जुटे 28 दलों के नेता आगामी लोकसभा चुनाव की दृष्टि से कोई प्रभावी संदेश देने में नाकाम रहे हैं। भले ही चुनाव के ठीक पहले विपक्षी दलों ने इसके जरिए अपनी एकजुटता प्रदर्शित करने में कामयाबी हासिल की हो। लेकिन यह एकजुटता भ्रष्ट नेताओं को बचाने की एक मुहिम ही बनकर सामने आयी है। इसमें स्पष्ट रूप से केन्द्र सरकार की भ्रष्टाचार पर गई कार्रवाई की बौखलाहट झलक रही थी। इस रैली में सभी दलों के नेताओं ने देश विकास के मुद्दों, सिद्धान्तों एवं नैतिक तकाजे की बजाय मोटे तौर पर सत्ता पक्ष की भ्रष्टाचार के खिलाफ की जा रही कार्रवाई को लोकतंत्र पर हमला बताते हुए इसी के इर्दगिर्द ही अपनी बातें रखीं। लोकतंत्र बचाओ रैली से उपजे विचारों ने किन्हीं पवित्र उद्देश्यों के बजाय सत्ता हासिल करने की लालसा को ही उजागर किया, यह निराश करने वाली रैली किसी बड़े बदलाव की वाहक बनती हुई नजर नहीं आयी।

इस रैली में भारतीय जनता पार्टी एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शानदार जीत की संभावना से बौखलाए नेताओं की खींच ही ज्यादा सामने आयी है। यही कारण है कि रैली में जो मुद्दा जोरशोर से उठा, वह यह रहा कि यदि भाजपा फिर से सत्ता में आ गई तो लोकतंत्र भी खत्म हो जाएगा और संविधान भी। यह समझना कठिन है कि कोई दल लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल करता है तो उससे लोकतंत्र और संविधान कैसे खत्म हो जाएगा। आम जनता के मतों से जीत हासिल करने वाला दल किस तरह से लोकतंत्र को ध्वस्त करने वाला हो सकता है। विपक्षी एकता का यह महाकुंभ मोदी को कोसने की बजाय किन्हीं ठोस मुद्दों के सहारे कोई प्रभावशाली विमर्श खड़ा करने की कोशिश करता तो वह आम जनता को आकर्षित करता और यही स्वस्थ राजनीतिक परिपक्वता का परिचायक होता। लेकिन ऐसा न होना समूचे देश के विपक्षी दलों की नाकामी, उद्देश्यहीनता एवं राजनीतिक अपरिपक्वता का द्योतक हैं।

इस रैली में अनेक मुद्दे उठे, जिनमें प्रमुख रहा केंद्रीय एजेंसियों का कथित दुरुपयोग और राजनीतिक भ्रष्टाचार। प्रियंका गांधी ने इस रैली में सरकार के सामने पाँच माँगें रखीं। इनमें प्रमुख दो हैं जिनमें चुनाव आयोग से माँग की गई है कि विपक्षी नेताओं पर छापों की कार्रवाई रोकी जाए। दूसरी और महत्वपूर्ण माँग ये है कि गिरफ्तार हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल को तुरंत रिहा किया जाए। इस रिहाई की माँग के पीछे कांग्रेस का उद्देश्य बचे-खुचे संगठनों या पार्टियों को इंडिया गठबंधन से जोड़े रखना है। नीतीश कुमार और ममता बनर्जी जैसे मजबूत खम्भे पहले ही उखड़ चुके हैं इसलिए जो कुछ बचा है उसे कांग्रेस समेटे रखना चाहती है, यही उसकी विवशता है। वैसे, इंडिया गठबंधन के घटक दलों के आपसी अंतर्विरोध की छाया भी इस रैली दिखी। कांग्रेस की तरफ से कहा गया कि विरोध किसी खास व्यक्ति से जुड़ा नहीं बल्कि मौजूदा सरकार की तानाशाही के खिलाफ केंद्रित है। जबकि इस रैली का मकसद आम आदमी पार्टी की तरफ से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का विरोध करना बताया गया। यहां आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस के बीच के अन्तर्विरोध को सहज ही समझा जा सकता है। यह रैली भले ही अठाइस दलों का जमावड़ा बनी, इसे विपक्षी दलों की एकजुटता का प्रदर्शन भी कहा गया है। लेकिन जबसे इंडिया गठबंधन बना है, तब से उसमें टूट एवं बिखराव के स्वर सुनाई दे रहे हैं। विचारभेद के साथ मनभेद भी सामने आये हैं। महाराष्ट्र से लेकर बिहार तक तमाम राज्यों में टिकट बंटवारे के सवाल पर इंडिया गठबंधन से जुड़े दलों की आपसी खटपट की खबरें भी आ रही थीं। भले ही ये विवाद गिनी-चुनी सीटों को लेकर थे, लेकिन संदेश स्पष्ट था कि चुनाव सिर पर आने के बाद भी इंडिया गठबंधन से जुड़े दल एकजुट नहीं हो पा रहे। रामलीला मैदान की रैली के जरिए इन दलों ने यह संदेश देने का प्रयास किया है कि मोदी विरोध एवं भाजपा को सत्ता से दूर करने के मुद्दों पर वे एक स्वर में बोल सकते हैं और लगातार बोलते भी रहे हैं, फिर उसके लिये इस महारैली की क्या जरूरत? निश्चित ही एकजुटता के ये स्वर बेसूरे, असहज एवं बनावटी है, इंडिया गठबंधन के राजनैतिक क्षितिज पर जो वरिष्ठ राजनेता हैं उनकी आवाज व किरदार भारतीय जीवन को प्रभावित नहीं कर रहा है। इंडिया गठबंधन से जुडे. दलों की केन्द्र एवं प्रांतों की सरकारों के शासन-काल में तो अपराध, भ्रष्टाचार और साम्प्रदायिकता के जबड़े फैलाए, आतंकवाद, प्रांतवाद, जातिवाद की जीभ निकाले, मगरमच्छ सब कुछ निगलता रहा है। सब अपनी जातियों और ग्रुपों को मजबूत करते रहे हैं-- देश को नहीं। प्रथम पंक्ति का नेता ही नहीं है जिसे मोदी के मुकाबले में खड़ा किया जा सके।

भारत के लोग केवल बुराइयों से लड़ते नहीं रह सकते, वे व्यक्तिगत एवं सामूहिक, निश्चित सकारात्मक लक्ष्य के साथ जीना चाहते हैं। अन्यथा जीवन की सार्थकता नष्ट हो जाएगी। दो तरह के नेता होते हैं- एक वे जो कुछ करना चाहते हैं, दूसरे वे जो कुछ होना चाहते हैं। असली नेता को सूक्ष्मदर्शी और दूरदर्शी होकर, प्रासंगिक और अप्रासंगिक के बीच भेदरेखा बनानी होती है। संयुक्त रूप से कार्य करें तो आज भी वे भारत को विकास की नई ऊंचाइयां दे सकते हैं। लेकिन उन्होंने सहचिन्तन को शायद कमजोरी मान रखा है। नेतृत्व के नीचे शून्य तो सदैव खतरनाक होता ही है पर यहां तो ऊपर-नीचे शून्य ही शून्य है। इंडिया गठबंधन की चोटी से लेकर प्रांत स्तर पर, समाज स्तर पर तेजस्वी और खरे नेतृत्व का नितान्त अभाव है। यह सोच का दिवालियापन ही है कि दिखते हुए भ्रष्टाचार के बावजूद उसका विरोध नहीं करके, ऐसे भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिये लोकतंत्र बचाओ रैली का आयोजन हो रहे हैं। राजनीतिक भ्रष्टाचार एक कड़वी सच्चाई है, लेकिन वह भी उतना सच है कि इस मामले में कोई भी दल दूध का धुला नहीं है। राजनीति के हमाम में सब नंगे हैं। विपक्षी दल कुछ भी दावा करें, सच्चाई यह है कि राजनीतिक भ्रष्टाचार की समस्या का समाधान उनके पास भी नहीं है। राजनीति में काले धन का इस्तेमाल होता रहा है और कोई भी यह दावे के साथ कहने की स्थिति में नहीं कि भविष्य में ऐसा नहीं होगा। जो विपक्षी नेता भ्रष्टाचार के आरोप में केंद्रीय एजेंसियों की जांच का सामना कर रहे हैं अथवा उन्हें जेल जाना पड़ा है, उनके बारे में यह नहीं कहा जा सकता कि उन्होंने कहीं कुछ गलत नहीं किया। प्रधानमंत्री ने मेरठ में चुनावी महासंग्राम की शुरूआत करते हुए कहा कि अगर विपक्षी नेता पाक-साफ हैं तो सुप्रीम कोर्ट उन्हें छोड़ क्यों नहीं रहा है? कुछ तो गड़बड़ होगी ही। कुल मिलाकर बयानों का तीखापन यहाँ- वहाँ आने लगा है। लोकसभा चुनाव के प्रचार में धार आ गई है। यह धार दिन ब दिन और पैनी होती जाएगी। भारत के केनवास पर शांति, प्रेम, ईमानदारी, विकास और सह-अस्तित्व के रंगों की जरूरत है, पर आज इंडिया गठबंधन इन रंगों को भरने की पात्रता खोकर नायकविहीन है। रंगमंच पर नायक अभिनय करता है, राजनीतिक मंच पर नायक के चरित्र को जीना पड़ता है, कथनी-करनी में समानता, दृढ़ मनोबल, इच्छा शक्ति और संयमशीलता के साथ। लेकिन भारतीय लोकतंत्र की यह एक बड़ी विडम्बना है कि यहां विपक्षी दलों में नायक कम, खलनायक अधिक है। तभी एक मोदी अठाइस दलों के नेताओं पर भारी पड़ रहा है। देखना यह है कि विपक्षी दलों ने राजनीतिक भ्रष्टाचार का मामला उठाकर मोदी सरकार को घेरने की जो कोशिश की, उससे देश की जनता कितनी प्रभावित होगी और इसकी आवश्यकता महसूस करेगी या नहीं कि इस गठबंधन को सत्ता में लाना आवश्यक है। विपक्षी दलों ने जो मुद्दे उठाये, वे प्रभाव पैदा नहीं कर पाये। चुनावी बांड का ही मुद्दा ले, इसमें संदेह नहीं कि चुनावी बांड से दिए जाने वाले चंदे का जो विवरण सामने आया है, उससे अनेक गंभीर सवाल खड़े हुए हैं, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि जिन कंपनियों का नाम लेकर यह कहा जा रहा है कि मोदी सरकार ने उन पर अनुचित दबाव डालकर चंदा हासिल किया, उनमें से अनेक ने विपक्षी दलों को भी अच्छा-खासा चंदा दिया है।

लोकसभा चुनावों बिना पूर्व अनुमति नहीं छपेंगे पंपलेट पेड न्यूज विज्ञापनों पर होगी निगरानी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। लोक सभा के दृष्टिगत निर्वाचन सम्बन्धी विविध कार्यो को समयबद्ध एवं सुचारू ढंग से सम्पन्न कराने एवं निर्वाचन को सकुशल संचालन तथा भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराये जाने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी व जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह की उपस्थिति में सहायक रिटर्निंग आफिसर-375 गाजीपुर, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी, सोशल मीडिया एक्सपर्ट के तहत पत्रकार विनय सिंह की उपस्थिति में एम0सी0एम0सी0 के अन्तर्गत पेड न्यूज, मीडिया सेल, सोशल मीडिया के क्रियान्वयन, तैयारियों के सम्बन्ध में जिला निर्वाचन कार्यालय में बैठक सम्पन्न की। बैठक के दौरान बताया कि पेड न्यूज, विज्ञापन को गभीरता से ली जाय इस सम्बन्ध में किसी प्रकार अखबारो एवं चैनलो के माध्यम से बिना परमीशन किसी भी पार्टी का प्रचार-प्रसार किया जाता है तो

तत्काल नोटिस देने हेतु सम्बन्धित को निर्देश दिया। बिना परमीशन के प्रत्याशियों द्वारा एवं पार्टी के कार्यकताओं द्वारा इलेक्ट्रानिक मीडिया, केबल नेटवर्क, वेब पोर्टल, इन्टरनेट मोबाईल नेटवर्क, प्रिन्ट मीडिया द्वारा विज्ञापन छपायी होती है या किसी तरह का प्रचार-प्रसार किया जाता है तो भारतीय दण्ड संहिता की धारा 171 (ज) का उल्लंघन मानते हुए उचित कार्यवाही की जायेगी। बैनर व पोस्टर तथा पम्पलेट बिना अनुमति के कोई भी मुद्रक द्वारा प्रिन्ट नही किया जायेगा। प्रत्याशियों द्वारा बैनर व पोस्टर तथा पम्पलेट अनुमति लेकर छपायी की जाती है तो इस दशा में मुद्रक का नाम मोबाईल नम्बर एवं संख्या अवश्य छापी जाय अन्यथा की स्थिति में कोई भी मुद्रक द्वारा चुनाव सम्बन्धित छपायी पर नाम, मोबाईल नम्बर एवं सख्या की छपायी न होने पर नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी, यदि राजनैतिक दल, प्रत्याशी द्वारा विज्ञापन का प्रकाशन कराना चाहते है तो विज्ञापन की दो प्रतियो सहित एम0सी0एम0सी0 कमेटी के समक्ष निर्धारित आवेदन पत्र पर आवेदन करना होगा। किसी भी राजनैतिक दल, प्रत्याशी द्वारा बल्क मैसेज किया जाता है तो इसकी भी निगरानी एम0सी0एम0सी0 कमेटी द्वारा की जा रही है।

जिलाधिकारी ने निर्वाचन कार्यालय स्थित कन्ट्रोल रूम का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। लोक सभा सामान्य निर्वाचन 24 के दृष्टिगत जिला निर्वाचन अधिकारी आर्यका अखौरी ने निर्वाचन कार्यालय में बनाये गए कन्ट्रोल रूम तथा मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति कक्ष का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान निर्देश दिये गये कि मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण का कार्य अत्यन्त महत्वपूर्ण है और इसे पूरी सर्तकता एवं गम्भीरतापूर्वक किया जाए, कन्ट्रोल रूम 24 घण्टे संचालित रहे तथा जिला स्तरीय मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति के द्वारा प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया एवं सोशल मीडिया पर प्रकाशित व प्रसारित होने वाले राजनीतिक विज्ञापनों पर नजर रखी जाए। कन्ट्रोल रूम में उपस्थित कर्मचारियों से सी0वीजिल एप पर आने वाली शिकायतों और निर्वाचन से सम्बन्धित हेल्प लाइन नम्बर 1950 पर आने वाली शिकायतों के सन्दर्भ में जानकारी प्राप्त की और निर्देश दिया कि निर्धारित समयावधि के भीतर शिकायतों का नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

पीड़िता की मां ने कमिश्नर से लगाई न्याय की गुहार,दरोगा पर लापरवाही का आरोप

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। विगत दिनों चोलापुर थानांतर्गत तराव निवासिनी टिंकी उर्फ पिंकी देवी पत्नी अंकित कुमार सिंह पुत्री अनिल कुमार सिंह के द्वारा मारने पीटने का आरोप लगाया गया था। जिस संदर्भ में चोलापुर थाने में पीड़िता के तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दिया है। वही आज पुलिस कमिश्नर से ज्ञापन देने आई पीड़िता की मां ने विवेचना कर रहे दरोगा के ऊपर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि पीड़िता की अभी तक 161 का बयान नहीं करवाया गया है जबकि लगातार दरोगा थाने पर बुला रहा है और जाने पर पूरे दिन बैठा दे रहा है।वही आज पीड़िता की मां ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि विवेचक लगातार विपक्षियों के दबाव में आकर मुकदमे में सुलह समझौते की दबाव बना रहा है और सही ढंग से विवेचना नहीं कर रहा है। युवा फाउंडेशन अध्यक्ष सीमा चौधरी पिंटू शर्मा अधिवक्ता कलीम फरहत,अधिवक्ता आलोक पाठक,अधिवक्ता नियाज अहमद इत्यादि लोगों ने इस महिला का पूरा सहयोग किया। आपको बता दे कि यह महिला जो कि पंडित दीनदयाल हॉस्पिटल में भर्ती थी यहां पर इलाज के अभाव में इनको बीएचयू रेफर किया गया लेकिन एमएलसी रिपोर्ट नहीं होने की

वजह से उनका इलाज नहीं हो होने की वजह से ये हारकर यह बिहार आरा पहुंच गई जहां पर उन्होंने इलाज कराया और सरकारी डॉक्टर ने बताया कि उनके गले में कुछ परेशानी है, टिंकी देवी ने बताया कि उनके पति ने उनका गला दबाकर मारने की कोशिश की थी।

प्राथमिक विद्यालय गणेसर पर कक्षा 5 के छात्रों का हुआ विदायी व सम्मान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। प्राथमिक विद्यालय गड़ेसर पर सत्र 23झ 24 की कक्षा 5 के छात्र-छात्राओं का विदाई एवं सम्मान समारोह रखा गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत चकवाकर राजेला के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सुजीत तिवारी एवं विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक के समस्त स्टाफ भी उपस्थित थे, जिसमें सभी कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त बच्चों को शील्ड एवं कक्षा 5 के सभी बच्चों को सम्मान में मेडल एवं दो बच्चियों जो शत प्रतिशत उपस्थिति थी उनको प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। सभी बच्चों को मुख्य अथिति द्वारा सम्मानित किया गया कक्षा 1 से प्रथम स्थान अमित कुमार, द्वितीय स्थान उषा राजभर, तृतीय स्थान स्वरती, कक्षा 2 से

प्रथम स्थान अनुज कुमार, द्वितीय स्थान शिवम कुमार, तृतीय स्थान संजीत विश्वकर्मा, कक्षा 3 से प्रथम स्थान आकृति भारती, द्वितीय स्थान चांदनी, तृतीय स्थान विकास कुमार कक्षा 4 से प्रथम स्थान अश्वनी कुमार, द्वितीय स्थान मुस्कान, तृतीय स्थान राजन , कक्षा 5 से प्रथम स्थान आशु राम, द्वितीय स्थान अनुष्का, तृतीय स्थान अर्पिता राजभर ने प्राप्त किया। बेस्ट स्टूडेंट ऑफ यार का सम्मान कक्षा पांच के आशु राम को दिया गया। शत प्रतिशत उपस्थिति में कक्षा 3 से आकृति भारती एवं कक्षा 5 से आकृति राजभर को 100 की प्रोत्साहन राशि की प्रदान की गई। इस मौके पर बच्चों के अभिभावक में सीमा देवी, सविता, राजेश कुमार, रिंकू देवी एवं अन्य अभिभावक भी उपस्थित रहे।

गैस सिलेंडर फटने से लगी आग, लाखों का सामान राख

रतसर (बलिया)। स्थानीय नगर पंचायत क्षेत्र के मठमैन गांव में मंगलवार की दोपहर रिहायसी झोपड़ी में सिलेंडर लीक होने से लगी आग में लाखों रुपए की नकदी सहित सभी वस्तुएं जल कर खाक हो गई। आसपास के लोगों एवं फायर ब्रिगेड ने किसी तरह आग पर काबू पाया। अगलगी से पीड़ित परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हो गया है। जानकारी के अनुसार गड़वार थाना क्षेत्र के मठमैन गांव के अमरजीत गौतम अपने परिजनों के साथ गांव में ही रिहायसी झोपड़ी बनाकर रहते थे। दोपहर में घर में खाना बनाते समय गैस लीक करने से आग लग गई। आग लगते ही पूरा परिवार झोपड़ी से बाहर निकल कर शोर मचाने लगा। जैसे ही परिजन घर से बाहर निकले,गैस सिलेंडर तेज आवाज के साथ फट गया और आग विकराल रूप धारण कर ली। शोर सुनकर गांव के लोग जब तक इकट्ठा हुए तब

तक आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इस अगलगी की चपेट में अमरजीत चौहान के छोटे भाई मनु चौहान की झोपड़ी भी आग की चेपट में आ गई। आसपास के ग्रामीण अगलगी की सूचना फायर ब्रिगेड तथा पुलिस को देने के बाद आग बुझाने लगे। फायर ब्रिगेड भी पहुंचकर आग पर काबू पाया तब तक सब कुछ जलकर राख हो गया। पीड़ित ने बताया कि घर बनाने के लिए समूह से लगभग 18 हजार रुपए निकाल कर रखा था,वह भी जल गया। इसके अलावा झोपड़ी में बंधी तीन बकरी भी पूरी तरह झुलस गई साथ ही कपड़ा, जरूरी कागज, अनाज, तीन साइकिल, शौचालय के उपर लगी पानी की टंकी एवं बिछावन आदि सब कुछ जलकर राख हो गया। पीड़ित एवं उसके भाई मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करते है।

इंडिया गठबंधन है भ्रष्टाचारियों का ठगबंधन : भाजपा जिलाध्यक्ष संजय यादव

बलिया। जनपद भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष संजय यादव ने इण्डिया गठबंधन को ठगबंधन बताया। मंगलवार को पार्टी कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता करते हुए श्री यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि "भ्रष्टाचार हटाओ" मगर इंडिया गठबंधन के नेता कहते हैं कि "भ्रष्टाचारियों को बचाओ"। प्रधानमंत्री मोदी के लिए देश की 140 करोड़ जनता उनका परिवार है। प्रधानमंत्री अपने परिवार को भ्रष्टाचारियों से बचने की लड़ाई लड़ने की बात करते है ,जिसने देश को लूटा है। उसे लौटाना ही पड़ेगा यह मोदी की गारंटी है।कहा कि ये घोटाले बाजों की बारात है जहां सब देश को लूटना चाहते हैं ।वह यह भी चाहते हैं कि उसके भ्रष्टाचार पर चर्चा ना हो।आम आदमी पार्टी कहती हैं कि केजरीवाल की गिरफ्तारी के समर्थन में रैली हो रही है। कांग्रेस कहती है कि यह किसी व्यक्ति के समर्थन में नहीं बल्कि पूरे गठबंधन की रैली है। कांग्रेस-आम आदमी पार्टी दिल्ली में तो इलू-इलू कर रही है लेकिन पंजाब में 'हम आपके हैं कौन' की बात हो रहा है।

जायसवाल समाज का होली मिलन समारोह आयोजित

बेलथरारोड़ बलिया। बेल्थरारोड के जायसवाल धर्मशाला में जायसवाल समाज का होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। सोमवार की देर रात चले समारोह में फूलों की होली के साथ लजीज व्यंजन का आनंद भी लिया गया। समारोह में समाज की एकजुटता पर बल दिया गया। मुख्य अतिथि रसड़ा चेयरमैन विनय शंकर जायसवाल ने कहा कि रसड़ा की तरह एकजुटता का परिचय देकर हम बेल्थरारोड में भी इतिहास कायम कर सकते हैं। बेल्थरारोड के जायसवाल धर्मशाला में जायसवाल समाज का होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कुलदेवता सहस्त्रबाहु अर्जुन व कुलगुरु बलभद्र भगवान के चित्र के सामने दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि विनय शंकर जायसवाल व विशिष्ट अतिथि सिकन्दरपुर चेयरमैन प्रतिनिधि संजय जायसवाल ने दीप प्रज्ज्वलित किया। समारोह को सम्बोधित करते हुए नपा रसड़ा चेयरमैन ने कहा कि होली मिलन समारोह एक दूसरे से जुड़ने का माध्यम हैं। समाज के एकत्रित करने का यह सशक्त माध्यम है। कहा कि वही समाज राजनीति व आर्थिक रूप से तरक्की करता है जिसका संगठन काफी मजबूत होता है। कहा कि जब समाज की बातें बाहर जाती हैं तब समाज की इज्जत कम होती है। कहा कि जब रसड़ा नगर पालिका में समाज के लोग मिलकर अपना चेयरमैन चुन सकते हैं तो बेल्थरारोड में भी ऐसा संभव हो सकता है। सिकन्दरपुर चेयरमैन प्रतिनिधि संजय जायसवाल ने समाज को एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने सिकन्दरपुर में अपने संघर्ष के बारे में विस्तार से बताया। कहा कि किस तरह विपक्ष ने उनपर लाठियां चलवाया व चुनाव लड़ने से रोकने की कोशिश की। कहा कि समाज मजबूत रहेगा तभी वह राजनैतिक व आर्थिक रूप से मजबूत होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने नोडल अधिकारियों के साथ की बैठक

बलिया। भारत निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुरूप आगामी लोक सभा सामान्य निर्वाचन-2024 को स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी रवींद्र कुमार ने समस्त नोडल अधिकारियों के साथ बैठक कर सभी तैयारियों को ससमय पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने समस्त नोडल अधिकारियों से कहा सभी नोडल अधिकारी भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी की गई गाइडलाइन के अनुरूप ही अपने से संबंधित प्रकोष्ठ के कार्यों की कार्य योजना निर्धारित समय के अनुसार तैयार करते हुए उसे

अंतिम रूप प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य में किसी भी प्रकार की उदासीनता/शिथिलता को बहुत ही गंभीरता से लिया जाएगा। सभी नोडल अधिकारी अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे, ताकि जनपद में आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को स्वतंत्र निष्पक्ष शांतिपूर्ण एवं सुचारु रूप से संपन्न कराया जा सके। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि समस्त नोडल अधिकारी चुनाव के दौरान प्राप्त होने वाले निदेर्शों का शत शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मैनपावर मैनेजमेंट, ट्रांसपोर्ट , मतदान एवं मतगणना कार्मिकों के प्रशिक्षण, एम.सी.एम.सी., निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण, स्वीप, कंट्रोल रूम, ईवीएम एवं वीवीपैट मैनेजमेंट, मीडिया एवं सोशल मीडिया, मतदेय स्थलों पर विवरण का अंकन/मतदेय स्थलों पर पोलिंग पार्टी की व्यवस्था, वीडियोग्राफी, पोस्टल बैलेट, बैलेट पेपर प्रिन्टिग, मतपत्र व्यवस्था संबंधी कार्य, वेबकास्टिंग, कम्युनिकेशन प्लान, सीसीटीवी कैमरा, रूट चार्ट, निर्वाचन सामग्री, एपिक, प्रेक्षक व्यवस्था, माइक्रो आब्जर्वर, पोलिंग बूथ, रैंडमाइजेशन आदि का प्रबंधन सहित अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में नोडल अधिकारियों को निर्वाचन संबंधी सभी तैयारियां भारत निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुरूप समय रहते 20 अप्रैल तक पूर्ण करने के निर्देश दिये।इस बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज, एडीएम डीपी सिंह, वरिष्ठ कोषाधिकारी आनंद दूबे, परियोजना निदेशक उमेश मणि त्रिपाठी, सिटी मजिस्ट्रेट इंद्रकांत द्विवेदी,जिविनि रमेश सिंह, बीएसए मनीष सिंह,डीएस?ओ रामजतन यादव,प्रभारी जिला निर्वाचन अधिकारी अखिलेश यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

संचारी रोग दस्तक अभियान की एक दिवसीय कार्यशाला भावरकोल में सम्पन्न

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। उच्चाधिकारियों के निर्देश के क्रम में योजनाओं के प्रभावी अनुरक्षण हेतु पंचायत सहायक का विकास खंड में एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला विकास खण्ड भावरकोल में आयोजित की गयी। जिसमे में संचारी रोग अभियान के सुचारु रुप से संचालन हेतु पंचायत सहायक को आवश्यक निर्देश दिए गए ।स्वास्थ विभाग द्वारा संसारी रोगों के विषय में उपचार और बचाव की विविध जानकारी दी गई ।एडीओ पंचायत नर्वदेश्वर तिवारी ने समस्त सचिव और पंचायत सहायकों को संचारी और दस्तक अभियान को सफल बनाने हेतु निर्देशित किया। उनके द्वारा कीटनाशक दवओं का छिड़काव ,साफ सफाई ,नालों की सफाई, झाड़ियो की सफाई, दवा छिड़काव आदि के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई,। इस मौके पर सचिव सूर्यभान राय, अजीत गौतम, चंद्रिका प्रसाद, अजीत गुप्ता, शशिकांत, बृजेश कुमार ,राजकुमार यादव ,राधेश्याम यादव रोजगार सेवक भीम प्रजापति, सुशील कुमार, रोहित राय, ,रागिनी, दीक्षा सहित सैकड़ो की संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे अंत में सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई ।

ईएमटी दिवस पर एंबुलेंस स्टाफ को सीएमओ ने किया सम्मानित

बलिया। राष्ट्रीय ईएमटी दिवस पर ज़िले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बेहतर कार्य करने वाले ईएमटी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और उन्होंने बताया कि बलिया ज़िले में 108 और 102 एंबुलेंस पर तैनात कर्मचारी सभी अकास्मिक दुर्घटना में चौबीस घंटे तत्पर होकर कार्य करते हैं और सभी लोगों को समय रहते एम्बुलेंस पहुंचकर लोगों को जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है बर्तमान समय में 108 की 38 और 102 की 38 एम्बुलेंस जिसमे ऑक्ससीजन और महत्वपूर्ण मेडिसिन की उपलब्धता में सुचारु रूप से कार्य कर रही है। जिले के प्रोग्राम मैनेजर प्रभाकर यादव ने ई एम टी दिवस के अवसर पर सभी स्टाफ के साथ केक काटकर शुभकामनाएं दी साथ में मौजूद प्रभारी रौशन यादव शैलेन्द्र यादव हरेंद्र यादव श्याम सुंदर मंदीप अंजली सरिता इत्यादि लोग मौजूद रहे है।

ट्रक चालक की उड़ीसा में ट्रक में आग लगने से मौत

दुबहर, बलिया। स्थानीय थाना क्षेत्र के बसरीकापुर गांव निवासी शिवजी यादव पुत्र राजेंद्र यादव (छट्ठू) "चौकीदार" उम्र लगभग 35 वर्ष की मौत सोमवार की शाम ट्रक हादसे में हो गई। परिजनों के अनुसार थाना बिश्नोई घाट जिला मोरध्वज घाटी उड़ीसा के रास्ते नासिक से मॉल लाद कर कोलकाता जाते समय रास्ते में गाड़ी का ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित होकर एक पेड़ में जाकर टकरा गई जिसके कारण आग लग गई और ट्रक चालक गाड़ी सहित शिवजी यादव जलकर खाक हो गया। सूचना पाकर उनके परिवार व पत्नी लक्ष्मी देवी सहित बच्चों का रो रोकर बुरा हाल था। शिवजी यादव अपने परिवार का एक मात्र कमाऊ सदस्य था।

स्वीप नोडल अधिकारी/ जिला विद्यालय निरीक्षक रमेश सिंह ने स्वीप कमेटी की बैठक की

बलिया। जनपद में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से स्वीप नोडल अधिकारी/ जिला विद्यालय निरीक्षक रमेश सिंह ने अपने कार्यालय में स्वीप कमेटी की बैठक की' बैठक में निर्णय लिया गया कि बलिया जनपद में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न माध्यमों से प्रचार प्रसार किया जाएगा ' इसके अंतर्गत जनपद बलिया के सभी सत्रह ब्लॉकों एवं सभी तहसीलों में मतदाता जागरूकता रैली,नुक्कड़ नाटक, विद्यालयों में पोस्टर प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा ' इसकी शुरूआत हो चुकी है, अगली कड़ी में 6 अप्रैल तथा 10 अप्रैल को नगर में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा है। बैठक में बेसिक शिक्षा अधिकारी मनीष कुमार सिंह, शहीद मंगल पांडे राजकीय डिग्री कॉलेज के प्राचार्य राजेश्वर कुमार, सतीश चंद्र कॉलेज के प्राचार्य बैकुंठ नारायण पांडे, टाउन पी जी कालेज प्रोफेसर अनिल कुमार तिवारी,ओम प्रकाश यादव, प्रफुल्ल श्रीवास्तव,राकेश पांडे, प्रमोद श्रीवास्तव,डॉ. इफ़्तेखार खान, रंगकर्मी आशीष त्रिवेदी, आनंद प्रकाश मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिला सैनिक कल्याण बंधु की बैठक

बलिया। जिलाधिकारी रवींद्र कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सैनिक कल्याण बंधु की बैठक संपन्न हुई।इस बैठक में उन्होंने प्राप्त शिकायतों का संबंधित विभाग के अधिकारियों को हस्तांतरित करते हुए गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों से लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 में सहभागिता सुनिश्चित करते हुए जनपद का मतदान प्रतिशत बढ़ाने में सहयोग करने का अनुरोध किया। जिलाधिकारी में कहा कि वर्तमान समय में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा समान्य निर्वाचन-2024 की घोषणा हो चुकी है। जनपद में पिछले लोकसभा में 52% और विधानसभा में 54% मतदान हुआ था। जबकि निर्वाचन आयोग द्वारा इस लोकसभा चुनाव में कम से कम 70% वोटिंग कराने का लक्ष्य दिया है। उन्होंने समस्त भूतपूर्व सैनिकों से अपील किया कि आप सभी चाहे शहरी क्षेत्रों या ग्रामीण इलाकों में, जहां भी रहते हो, अपने गांव, मोहल्लो, परिवार, आस पास के लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करते हुए जनपद का मतदान प्रतिशत

बढ़ाने में सहयोग अवश्य करें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में वोट देना हम सबका कर्तव्य और अधिकार है, इसलिए एक जिम्मेदार नागरिक का फर्ज निभाते हुए मतदान के दिन अपने निकटवर्ती बूथ पर मतदान करने अवश्य जाएं। जिलाधिकारी ने बैठक में आए भूतपूर्व सैनिकों/सैनिक आश्रितों की समस्याएं सुनी और संबंधित विभाग के अधिकारियों को पूरी तत्परता और प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश दिए। अधिकतर शिकायतें भूमि विवाद से संबंधित थी। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने बताया कि पिछली बैठक में 10 भूमि विवाद के मामले प्राप्त हुए थे, जिनमें से पांच का निस्तारण हो गया है, बाकी मामलों के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को रिमाइंडर लेटर भेजा गया।इस बैठक में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी विंग कमांडर मुकेश तिवारी, भूतपूर्व सैनिक/सैनिक आश्रित में विनोद कुमार, श्याम नारायण यादव, शिवशंकर सिंह, प्रेमशंकर यादव सहित अन्य मौजूद थे।

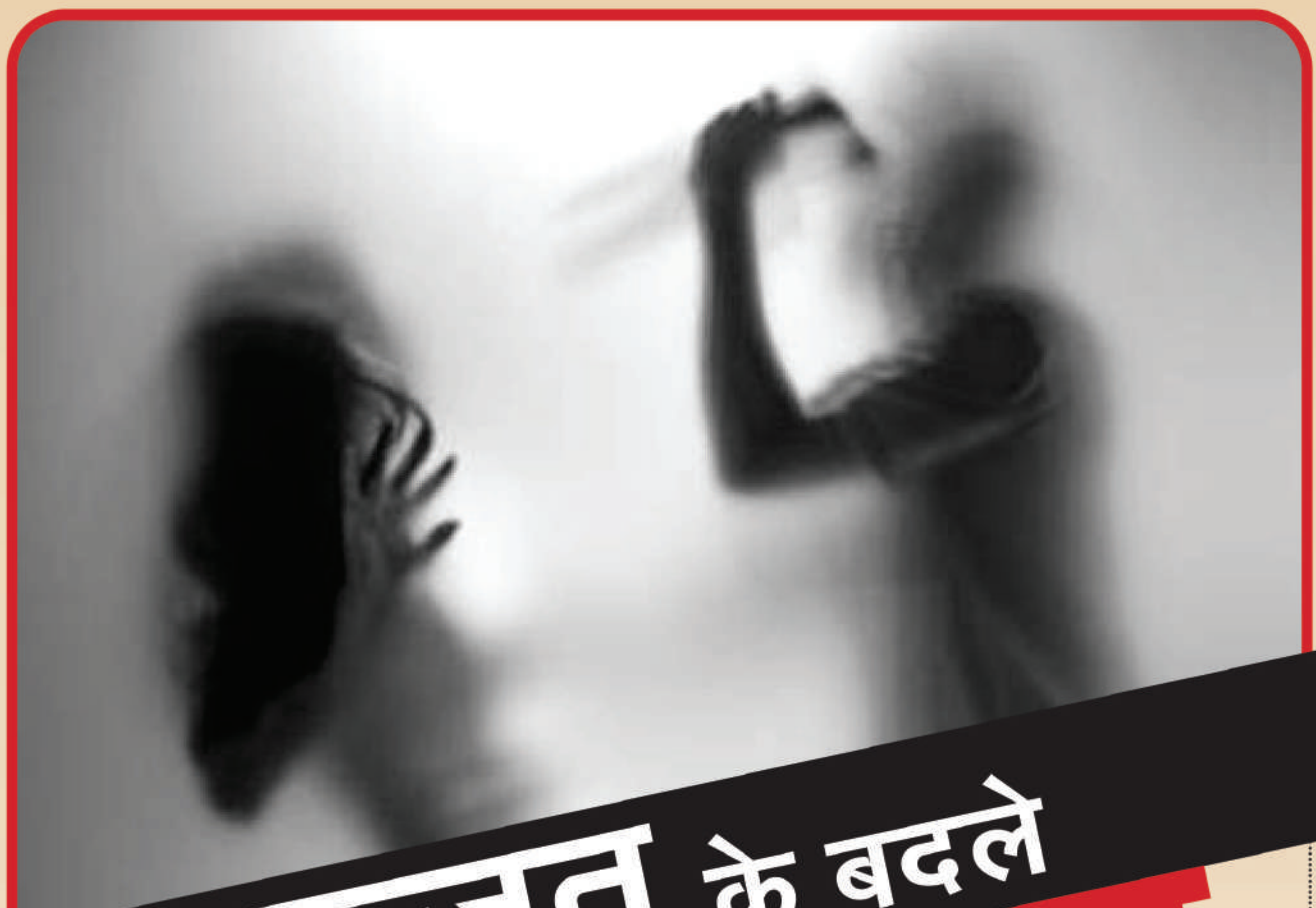

इज्जत के बदले जान

खरी खरी

■ मनीषा

पाकिस्तान में फिर एक भाई ने अपनी बहन का बेरहमी से गला घोंट कर हत्या कर डाली। तोबाटेकसिंह इलाके में जिस वक्त वह लड़की का गला दबा रहा था, परिवार के अन्य सदस्य भी करीब ही मौजूद थे। परिवार का ही एक सदस्य इस खौफनाक घटना का वीडियो भी बना रहा है। यही वीडियो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। तीन मिनट के इस वीडियो में शख्स बेहद दरिंदगी से उसके गले पर तकियानुमा चीज रखे है, जिससे मृतका छटपटा रही है। हत्या के बाद मृतका के वालिद अपने हत्यारे बेटे को पानी पिलाता नजर आ रहा है। पुलिस का अंदाजा है यह घटना 17-18 मार्च की दरम्यानी रात की है। दो आरोपियों को गिरफ्तारी हो चुकी है। आरोप है कि लड़की का किसी से अफेयर था। जिससे परिवार नाराज था। सारी दुनिया में पाकिस्तानी लड़कियों को इज्जत के नाम पर मारे जाने की खबरें आम हैं। पाकिस्तान के ही पंजाब के ओकरा में युवा मॉडल सिदरा खालिद की उसके छोटे भाई हमजा ने गोली मार कर हत्या कर दी। यह घटना दो साल पहले की है। 22 साल की सिदरा फैसलाबाद में मॉडलिंग करती थी। वह ईद मनाने कुछ दिन के लिए गांव आयी थी, जब वह जाने की जिद करने लगी तो परिवार उग्र हो गया। मानवाधिकार संस्था ह्यूमन राइट्स वॉच की 2021 की रपट के अनुसार, पाकिस्तान में हर साल एक हजार औरतों को ऑनर किलिंग के नाम पर मारा जाता है। यह वह संख्या है, जो पुलिस /प्रसाशन के समक्ष आ जाते हैं। गांव देहातों में ढेरों लड़कियां इज्जत के नाम पर मारी जाती हैं। जिनकी कोई खोज-खबर भी नहीं ली जाती। 2016 में मॉडल कंदील बलोच की उसके भाई बसीम ने लगा घोंट कर हत्या कर दी थी। कंदील सोशल मीडिया पर काफी चर्चित थी। वह गांव की लड़की थी, जिसके सपने बड़े-बड़े थे। कमउम्री में उसका ब्याह कर दिया गया। अपने मार-कुटाई करने वाले शौहर को छोड़ कर वह काम की तलाश में शहर चली गयी। लंबे संघर्ष के बाद सोशल मीडिया पर वह छा गयी। पैसों के लोभी उसके परिवार ने उसे गांव न्योता, जहां उसके छोटे भाई ने बलोच की जान ले ली। बलोच की खौफनाक मौत पर एक टेलीविजन सीरियल भी बना था। जो बहुत चर्चित हुआ था। साजिया खान द्वारा लिखित व फारूख रिंद द्वारा निर्देशित की गयी इस सीरीज को पुरस्कार भी मिले। यह रोल निभाया था सबा कमर ने।

ऐसा नहीं है कि इस तरह की घटनाएं केवल पाक में ही होती हैं। हमारा समाज भी इस मसले में बहुत संकीर्ण है। यहां भी मां-बाप-भाई लड़कियों की जान के दुश्मन बन जाते हैं। कट्टरता समुदाय विशेष में ही नहीं है। बेटियों के प्रति लाड़ लड़ाने वाले झूठी शान-ओ-शौकत के लिए उनके जान के दुश्मन बन जाते हैं। इस पर उन्हें जरा मलाल नहीं होता। कोई कैसे भूल सकता है कि अहमदाबाद के दिघलिया गांव की पिता-मां-बहन के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया। जिन्होंने किशोरी के प्रेमी से फोन पर बात करने से नाराज होकर मार डाला। शुरुआत में आरोपियों ने कहा किशोरी दिल के दौरे से मरी है। बाद में पोस्टमार्टम से राज खुला कि गला घोंट कर उसकी हत्या की गयी है। मां-बाप का कहना था कि बहुत समझाने पर भी नहीं मान रही थी। उसकर ब्याह कहीं और तय था, इसलिए परिवार गैर मर्द से किसी तरह की बातचीत करने से रोक रहा था। उस रात क्रोधवश बाप ने पांव पकड़े, बहन ने हाथ और मां ने चेहरे पर तकिया रख कर दबा दिया। भारत में भी ऑनर किलिंग के नाम पर हत्याएं हो रही हैं। जिन पर कोई बात नहीं की जाती। कोई जिम्मेदार शख्स जवान लड़कियों की इन हत्याओं को लेकर खौफजदा क्यों नहीं होता। खासकर उत्तर भारत में, उप्र, बिहार, राजस्थान, हरियाणा, झारखांड व पंजाब में इज्जत की आड़ में युवतियों की सरेआम हत्याएं की जाती हैं। नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार 2019 व 2020 में 25-25 तो 2021 में 33 हत्याएं इज्जत के नाम पर हुईं। बीते साल मध्यप्रदेश के मुरैना जिले के रतनबसाई गांव 18 साल की शिवानी तोमर व 21 साल के राधेश्याम तोमर को चंबल नदी में जबरन डुबो दिया गया। इस नदी में मौजूद खूंखार मगरमच्छ उन्हें खा गये। दोनों प्रेम करते थे, शिवानी के बाप ने यह हरकत की। आंध्र प्रदेश के तिरुपति में भी बीते साल 21 वर्षीय प्रसन्ना रेड्डी की हत्या उसके बाप ने कर दी। क्योंकि वह बिरादरी के बाहर किसी लड़के से प्रेम करती थी। बाप ने उसका सिर धड़ से अलग कर दिया और शव के टुकड़े-टुकड़े करके जंगल में फेंक दिये।

भारत में गैर कानूनी होने के बावजूद परिवार के पुरुषों द्वारा लड़कियों को मार डाला जाता है। कुछ कुतर्की दलील देते हैं कि यह परंपरा है। जो प्राचीनकाल से चली आ रही है। कहा जाता है कि रोमनकाल से इज्जत के नाम पर लड़कियों की हत्याएं हो रही हैं। उन पर विवाहेतर संबंधों का इल्जाम मढ कर या बिनब्याही लड़कियों के यौन संबंधों के आरोपों पर उनकी जानें हमेशा ली जाती रही हैं। अपने ही नहीं, दुनिया भर के पुरुषवादियों की नजर में यह मामूली बात हो सकती है। मगर औरतजात के लिए यह आज भी भयावह है। झूठे इल्जामों की बात हो या उनकी पसंद, प्रेम या दैहिक संबंधों का मसला हो, मारी औरतें ही जाती हैं। उन्हें मारने वाले बाप-भाई, चाचा-ताये आमतौर पर पकड़े ही नहीं जाते। अव्वल तो परिवार उनके साथ हत्या में शामिल होता है। अगर उन्होंने साथ न भी दिया हो तो वे लड़की के प्रति अपनी नाराजगी के चलते इस हत्या को जायज ठहराते हैं। इसके पीछे सिर्फ गुरबत, अशिक्षा या दकियानूसी सोच ही नहीं है। यह लैंगिक विषमता और स्त्री को कमतर समझने की आदतें हैं। यह पुरुषों की दुनिया में औरतों को नीचा दिखाने का तरीका है। लड़कियों/औरतों की जान आखिर इतनी सस्ती क्यों है? इन्हें मारने और इन पर अपनी इज्जत का बोझ डालने वाले समाज और इस समाज के मर्दाना सोच को बदलना नामुमकिन क्यों है? यही काम जब पुरुषों द्वारा होता है तो किसी खानदान, परिवार या कुनबे की इज्जत की किरचियां क्यों नहीं होतीं? पुरुषों के प्रेम संबंध, गैर स्त्रियों के साथ करीबी या विवाहेतर रिश्तों को किसी तराजू पर नहीं तौला जाता। उन्हें नैतिकता के चश्मे से नहीं देखा जाता। उनसे उम्मीद नहीं की जाती कि वे औरतों की जान के दुश्मन न बनें। यह विभेद खतरनाक है, जिससे निपटना बेहद जरूरी है। कत्ल का कारण कुछ भी हो, मारी तो औरत ही जाती है। छुरी खरबूजे पर गिरे या खरबूजा छुरी पर, कटता तो खरबूजा ही है। छुरी को दोष कभी नहीं दिया जाता। ■

> कट्टरता समुदाय विशेष में ही नहीं है। बेटियों के प्रति लाड़ लड़ाने वाले झूठी शान-ओ-शौकत के लिए उनके जान के दुश्मन बन जाते हैं। इस पर उन्हें जरा मलाल नहीं होता। कोई कैसे भूल सकता है कि अहमदाबाद के दिघलिया गांव की पिता-मां-बहन के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया। जिन्होंने किशोरी के प्रेमी से फोन पर बात करने से नाराज होकर मार डाला

> लड़कियों/औरतों की जान आखिर इतनी सस्ती क्यों है? इन्हें मारने और इन पर अपनी इज्जत का बोझ डालने वाले समाज और इस समाज के मर्दाना सोच को बदलना नामुमकिन क्यों है?

गुस्से से भरे बच्चे

यही है जिंदगी

■ क्षमा शर्मा

कुछ दिन पहले अमरीका के पांच साल के बच्चे की अपने छोटे भाई से लड़ाई हो गई। बस उसने रसोई से चाकू लाकर उसे मार दिया। इस खबर को पढ़कर दिल दहल उठा। आखिर उस छोटे बच्चे के मन में ऐसी बात कैसे आई होगी कि चाकू को किसी से मारा जा सकता है। अमरीका में हिंसा की संस्कृति है। वहां जितनी आबादी है, उससे दोगुने हथियार है। बच्चे छोटी ही उम्र में इन हथियारों को अपने आस-पास देखते है। कई बच्चे इन्हें अपने बस्तों में रख ले जाते है और गुस्सा आने पर साथियों पर चला देते है। आखिर इसे कहने भर से कुछ नहीं होता कि हमें हिंसा मुक्त समाज बनाना चाहिए, आखिर उसकी कोशिश कितनी की जाती है। आज दुनिया भर में बच्चे गुस्से से भरे है। उनके गुस्से को दूर करने के क्या उपाय है, इस पर जितना ध्यान चाहिए वह नहीं दिया जा रहा। कुछ दिन पहले भारत के बच्चों के बारे में भी रिपोर्ट छपी थी। जिसमें बताया गया कि स्कूलों में पढ़ने वाले आधे से अधिक किशोर छोटी-छोटी बातों पर गुस्से से भर जाते है। वे आक्रामक हो जाते है। सफदरजंग अस्पताल के मनोचिकित्सकों और पब्लिक हेल्थ विशेषज्ञों ने उत्तरी दिल्ली के स्कूलों में पढ़ने वाले पांच सौ छात्र-छात्राओं का अध्ययन किया। इनमें साढ़े पचास प्रतिशत बच्चों ने गुस्सा आने पर आक्रामक व्यवहार अपनाया। पचपन प्रतिशत लड़कों और छियालीस प्रतिशत लड़कियों ने ऐसा व्यवहार किया। लड़कियों का इतना बड़ा प्रतिशत भी बेहद चिंताजनक है। 51.8 प्रतिशत बच्चों में दुश्मनी का भाव भी पाया गया। विशेषज्ञों ने क्रोधित और आक्रामक होने के कारणों का भी पता लगाया। ये कारण थे- जिन बच्चों के परिजन जेल गए थे, वे सबसे अधिक आक्रामक थे। जिनके परिवार में खूब लड़ाई-झगड़ा होता था, वे अधिक गुस्से से भरे थे। गलत संगत में पड़कर जो नशे कर रहे थे वे भी अधिक गुस्से में देखे गए।

कुछ साल पहले एक घटना दिल्ली में ही हुई थी। अट्ठाइस साल का नौजवान सड़क पर कूड़ा बीनने वाले बच्चों की मदद करता था। एक बार वह बैठा था। कुछ बच्चे भी वहां थे। उसने किसी बात पर इन बच्चों को डांट दिया। उसकी डांट से इन बच्चों को इतना गुस्सा आया कि उन्होंने पास ही पड़ी शीशे की बोतल को तोड़कर उस पर आक्रमण कर दिया और उसका गला काट दिया।

बहुत हद तक इस मामले में हमारे प्रचार माध्यम भी बहुत दोषी है। वे हिंसा और बदले की भावना को किसी आदर्श की तरह प्रस्तुत करते है और बदला लेने के लिए उकसाते है। बहुत से कार्टून्स में भी ऐसी बातें दिखाई देती है। बनाने वाले इस बात की परवाह नही करते कि बच्चों के मन पर इन बातों का क्या असर पड़ेगा। वे ऐसे दृश्य दिखाते है क्योंकि हिंसा और अपराध सबसे ज्यादा बिकने वाली चीजें मानी जाती है। इन पर अभिव्यक्ति और कला की स्वतंत्रता के नाम पर कोई रोक भी नही लगाई जाती। आखिर उस अभिव्यक्ति और स्वतंत्रता का क्या लाभ, जो छोटे-छोटे बच्चों में हिंसा और बदले की भावना को पुख्ता करे। वे मरने-मारने पर उतारू हो जाएं। आखिर कैसी नई पीढ़ी का निर्माण हम करना चाहते है।

इसमें माता-पिता की भूमिका भी है। एक जमाने में माता-पिता अपने बच्चों को मार-पीट, झगड़ा करने पर डांटते थे। आज बहुत-से माता-पिता कहते है कि पिटकर आया तो तेरी खैर नहीं। पीटकर ही आना। इस तरह वे अपने बच्चों के मन में हिंसा भरते है। अंततः इसके परिणाम बच्चों और परिवारवालों को ही भुगतने पड़ते है। हमें हिंसा भरे व्यवहार से हर सूरत में मुक्ति चाहिए। ■

■ अनिता घोष

फ्राई टिक्का

सामग्री- 500 ग्राम बोनलेस चिकेन, 8-10 लहसुन की कली, एक इंच टुकड़ा अदरक, एक बड़ा प्याज, 4-5 हरी मिर्च, एक चम्मच हलदी पाउडर, एक चम्मच बारीक कटी हरी धनिया, एक चुटकी काली मिर्च पाउडर, तेल आवश्यकतानुसार, नमक स्वाद अनुसार

विधि- बोनलेस चिकन को धोकर टुकड़ो में काट लें। चिकन के टुकड़ो पर चाकू से चीरा लगाएं। मिक्सी में अदरक, लहसुन, हरी मिर्च, हल्दी, प्याज, हरी धनिया, नमक, काली मिर्च पाउडर डालकर मिश्रण बना लें। इस मिश्रण को चिकन में अच्छी तरह मिलाएं। मैरिनेट चिकन को एक घंटा के लिए छोड़ दे। फ्राइंग पैन में तेल गरम क रें। इसमें चिकेन का टुकड़ा डालें और मीडियम आंच पर दस मिनट तक पकाएं। पैन को ढंक दें। दो मिनट के बाद जब चिकन नरम हो जाए तो आंच बंद कर दें। प्लेट में टिक्का को निकाल कर रखें। धनिया पत्ती और प्याज के साथ सर्व करें फ्राई चिकेन टिक्का।

लेमन मोजिटो

सामग्री - 4-5 बड़े नींबू, 100 ग्राम पुदीने के पत्ते, 500 ग्राम चीनी, चार कप सोडा वाटर, बर्फ के टुकड़े, पीने के लिए 4-5 स्ट्रॉ

विधि- कढ़ाही में चीनी और दो कप पानी डाल कर चाशनी बनाएं। चाशनी थोड़ी गाढ़ी होने पर गैस बंद कर दें। बाउल में नींबू का रस निकाल कर रख दें। मिक्सी में पुदीना - नींबू के रस के साथ बारीक पीस लें। जब यह ठंडा हो जाए, तब पिसा पुदीना चाशनी में मिला दें। ग्लास में 2-3 बर्फ के टुकड़े डाल कर 4-5 चम्मच पुदीना वाला मिश्रण डालें फिर आधा कप सोडा मिलाएं। लेमन की स्लाइस और 2-3 पुदीना पत्तों के साथ मोजिटो भरा ग्लास सजाएं और स्ट्रॉ के साथ ठंडा-ठंडा सर्व करें।

गार्लिक चाऊ

सामग्री- 100 ग्राम चाऊ, एक कप दूध, एक चम्मच मैदा, रेड या ग्रीन शिमला मिर्च एक, फ्रेंच बींस 8-10 बारीक कटी, ब्रोकली एक कप, 7-8 लहसुन कली बारीक कटी, 2 चम्मच मैदा, बटर 50 ग्राम, आधा कप क्रीम, एक चुटकी काली मिर्च, नमक स्वादानुसार

विधि- चाऊ को उबाल लें। छलनी से छान कर उबले हुए चाऊ को प्लेट में रखें। मीडियम आंच पर कढ़ाही में बटर डाल कर गरम करें। बटर पिघलने के बाद इसमें लहसुन, कटी ब्रोकली, फ्रेंच बींस और शिमला मिर्च डाल कर कुछ देर तक भूनें। सब्जी अच्छे से भुन जाने के बाद आंच बंद कर दें। कढ़ाही में दो चम्मच बटर पिघला लें। मैदा दूध के मिश्रण को डाल दें, लगातार चलाते रहें ताकि गुठलियां न बनें। 2-3 मिनट चलाने के बाद नमक और काली मिर्च मिलाएं। चाऊ और सब्जी और क्रीम मिलाएं। 4-5 मिनट तक पकाएं। आंच बंद कर दें। तैयार हो गया यमी गार्लिक चाऊ। गरमा-गरम सर्व करें। ■

टैरो

ऋचा श्रीवास्तव

(3 अप्रैल - 9 अप्रैल)

मेष (21मार्च-20अप्रैल)- पेशेवर जीवन के लिहाज से संतुष्टि महसूस नही होगी, निरन्तर बदलाव की तलाश में रहेंगे। जॉब प्रोफाइल से नाखुश रहने के कारण इसका नकारात्मक प्रभाव स्पष्ट तौर पर काम पर दिखाई देगा। पूरी लगन और शांतिपूर्वक काम करना चाहिए। आर्थिक पक्ष सामान्य रहेगा। फिजूल खर्च से बचें। लगातार विचारों का बोझ स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर डाल सकता है। मन को शांत रखें ,योग एवं ध्यान अपनाएं।

वृषभ (21अप्रैल -21मई)- नौकरी के प्रति असुरक्षा की भावना रह सकती है। व्यवसाय के लिहाज से भी समय ज्यादा अनुकूल नहीं है। सहकर्मियों और बॉस के स्वभाव की वजह से थकान महसूस हो सकती है। यदि नौकरी में बदलाव के बारे में विचार कर रहे है तो अभी समय अनुकूल नहीं है। निवेश करने से बचना चाहिए। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरतें, संतुलित आहार लें एवं ध्यान करें।

मिथुन (22मई -21जून)- पेशेवर मोर्चे के लिहाज से हर वक्त तैयार नज़र आएंगे, साथ ही खुद को तलाशें। छुपी हुई नयी प्रतिभा को खोजने में कामयाबी हासिल करेंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आय के नए स्रोत खुलेंगे। पैतृक संपत्ति से लाभ मिल सकता है। समय न दे पाने की वजह से इस दौरान प्रियजनों से टकराव हो सकता है।

कर्क (22जून-22जुलाई)- प्रबंधन और सहकर्मियों के साथ कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। आत्मविश्वास से भरे रहने वाले है, जो सफलता की ओर ले जायेगा। यदि नया कार्य शुरू करना चाहते है तो समय अनुकूल है। आर्थिक पक्ष के लिहाज से वित्तीय प्रचुरता और समृद्धि लेकर आएगा। फिटनेस के प्रति झुकाव रहने वाला है।

सिंह (23जुलाई -21अगस्त)- कार्यक्षेत्र में बेहद सावधानी से चलना है। सहयोगियों ओर अधीनस्थों के साथ ढेरों चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। रणनीतियों की वजह से नौकरी खोने की असुरक्षा की भावना आ सकती है, जिसकी वजह से मन की शांति भंग होने की आशंका है। आर्थिक निवेश के प्रति सतर्क रहें। जीवन साथी के साथ संघर्ष और झगडे होने की आशंका है। गुस्से पर नियंत्रण रखें।

कन्या (22अगस्त-23सितम्बर)- अच्छे और सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे। नयीं ऊंचाइयों को प्राप्त करने के लिए निरन्तर कार्यरत रहेंगे और इसमें सफलता भी हासिल होगी। आर्थिक दृष्टि से उतार चढाव का सामना करना पड़ सकता है। फिजूलखर्ची से बचें। विवाह का योग बन रहा है। विवाहितों को उतार चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें।

तुला (24सितम्बर-23अक्टूबर)- कठिन परिश्रम ढेरों प्रशंसा दिलाएगा और लोग काम को पहचानेंगे। पेशेवर जीवन के लिहाज से समय बेहद अनुकूल रहने वाला है लेकिन आर्थिक पक्ष के किहज से परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक लाभ हासिल होगा हालांकि इसकी गति बेहद धीमी रहने वाली है। परिवार के साथ संतुलन बनाये रखने की पूरी कोशिश करेंगे।

वृश्चिक (24अक्टूबर-22नवम्बर)- पेशेवर जीवन में संतुष्टि महसूस होगी। अतीत में किये गए सभी प्रयासों से शुभ परिणाम हासिल होंगे। करियर में बदलाव के लिए समय शुभ है। यदि फिजूलखर्ची पर लगाम लगा लेते है तो आर्थिक पक्ष के लिहाज से भी समय अनुकूल रहेगा। वित्तीय निवेश करते समय सावधानी बरतें। जो बीमार हैं, उनकी सेहत में सुधार देखने को मिलेगा।

धनु (23नवम्बर -22दिसम्बर)- घर में जोश का माहौल तनाव बस्टर के रूप में काम करने और संतुष्ट महसूस करने की सम्भावना है। अविवाहितों को सपनों का व्यक्ति जल्द मिल सकता है। यात्रा का भी योग बन रहा है। विलम्ब पेशेवर लक्ष्यों से दूर ले जा सकता है। परिणाम सुधारने के लिए काम को सुव्यवस्थित करें। जल्दबाजी में कोई भी निवेश करने से बचें। अस्वास्थ्यकर भोजन और देर रात को खाने से बचें।

मकर (23दिसम्बर-20जनवरी)- यदि काबिलियत दिखाने के मौके का इंतज़ार कर रहे है तो प्रतिभा दिखाने का मौका मिल सकता है। सामाजिक रूप से उन दोस्तों से मिल सकते है, जिन्हें भावनात्मक समर्थन की आवश्यकता होगी। सलाह देने से बचें। जो लोग बाहर उद्यम करना चाहते है, उन्हें यात्रा के रोमांचक अवसर मिल सकते है।

कुम्भ (21जनवरी-19फरवरी)- नए अवसर मिलेंगे। विवाह के लिए समय अनुकूल है या विवाह की बात चल सकती है। पारिवारिक सुख बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी। विदेश से संबंधित कार्य सफल होंगे। रुके हुए काम बनेंगे। विद्यार्थी वर्ग के लिए शुभ रहेगा। वित्त आगे नहीं बढ़ रहा हो, जल्दी ही कुछ बेहतर होने की उम्मीद है।

मीन (20फरवरी-20मार्च)- घर या बहार कहीं भी लापरवाही नही बरतनी चाहिए अन्यथा बना बनाया काम बिगड़ सकता है। समय पर काम पूरा करने का तनाव बना रहेगा। ऐसे में काम के साथ साथ सेहत का भी ख्याल रखना होगा। किसी नयी योजना में धन निवेश करते समय सलाह अवश्य लें। खर्च पर नियंत्रण रखें अन्यथा आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। ■

संक्षिप्त खबरें

मप्र में निवेश करेगी पेप्सिको

नई दिल्ली। पेप्सिको इंडिया देश में अपनी विस्तार योजना के तहत मध्य प्रदेश के उज्जैन में 'फ्लेवर' विनिर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए 1,266 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी बयान के अनुसार, 22 एकड़ में फैला यह संयंत्र भारत में पेप्सिको के पेय उत्पादन को बढाने, रोजगार सृजन करने और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव डालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसमें कहा गया कि संयंत्र का निर्माण 2024 में शुरू होने वाला है। 2026 की पहली तिमाही में इसके चालू होने की उम्मीद है। यह जानकारी पेप्सिको के मुख्य कार्यपालक अधिकारी जे. कोटेचा ने दी।

पोकर सीरीज संपन्न

नई दिल्ली। देश का सबसे बड़ा पोकर इवेंट 'नेशनल पोकर सीरीज़ इंडिया 2024' में 62.5 करोड़ रुपये से ज्यादा के पुरस्कार राशि के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाले 2.3 लाख खिलाड़ियों की भागीदारी दर्ज की गई। दिल्ली में आयोजित श्रृंखला के समापन समारोह, नाइट आफ ग्लोरी में दिग्गज भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने भाग लिया और प्रतिभाशाली विजेताओं को सम्मानित किया। पोकरबाज़ी ने भारत के सबसे बड़े पोकर टूर्नामेंट और अपने प्रमुख टूर्नामेंट 'जीओटी' के 2024 संस्करण की घोषणा करके उपस्थित लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया। भारत का इस सबसे बड़े पोकर टूर्नामेंट में 25 करोड़ रुपये की गारंटीशुदा पुरस्कार राशि की पेशकश की गई है।

सोभा को आयकर नोटिस

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी सोभा लिमिटेड को आयकर विभाग से करीब 46 करोड़ रुपये के कर मांग नोटिस मिले हैं। नोटिस बेंगलुरु में सेंट्रल सर्कल-1(4) के आयकर उपायुक्त ने जारी किए हैं। नोटिस वित्त वर्ष 2016-17 और 2022-23 के आकलन से संबंधित हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को सोमवार को दी जानकारी में बताया, 'कंपनी को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 156 के तहत वित्त वर्ष 2016-17 और 2022-23 से संबंधित क्रमशः 13.12 करोड़ रुपये और 32.68 करोड़ रुपये के कर मांग नोटिस मिले हैं।' सोभा ने कहा कि वह आयकर आयुक्त के समक्ष अपील करने की तैयारी कर रही है।

बीएमडब्ल्यू-टाटा में करार

नई दिल्ली। जर्मनी का मोटर वाहन विनिर्माता बीएमडब्ल्यू समूह और वैश्विक उत्पाद इंजीनियरिंग व डिजिटल सेवा कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज भारत में ऑटोमोटिव सॉफ्टवेयर और आईटी विकास केंद्र स्थापित करने के लिए एक संयुक्त उद्यम लाएगी। कंपनियों के संयुक्त बयान के अनुसार, दोनों ने पुणे, बेंगलुरु और चेन्नई में ऑटोमोटिव सॉफ्टवेयर और आईटी विकास केंद्र स्थापित करने के मकसद से संयुक्त उद्यम (जेवी) बनाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। मुख्य विकास एवं संचालन गतिविधियों को बेंगलुरु और पुणे में अंजाम दिया जाएगा। चेन्नई में, व्यवसाय आईटी समाधानों पर ध्यान दिया जाएगा।

एसोचैम अध्यक्ष नियुक्ति

एसोचैम के नए अध्यक्ष

नई दिल्ली। सोरिन इन्वेस्टमेंट फंड के चेयरमैन संजय नायर ने 2024-25 के लिए उद्योग मंडल एसोचैम के अध्यक्ष का पदभार संभाला है। एसोचैम ने मंगलवार को यह जानकारी दी। नायर ने स्पाइसजेट के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अजय सिंह की जगह ली। एसोचैम के अध्यक्ष के तौर पर सिंह का कार्यकाल पूरा हो गया था। एसोचैम ने बयान में कहा, 'नायर के पास वैश्विक वित्तीय और पूंजी बाजारों में चार दशक का अनुभव है। पिछले साल सेवानिवृत्त होने से पहले उन्होंने सिटी में 25 साल और केकेआर में करीब 14 साल काम किया।

हायर के नए एसी लांच

नई दिल्ली। हायर अप्लायंसेज इंडिया' ने सुपर हेवी-ड्यूटी एयर कंडीशनर की अपनी नवीनतम रेंज लॉन्च की है। हेक्सा इन्वर्टर और सुपरसोनिक कूलिंग टेक्नोलॉजी के साथ यह नई रेंज 20 गुना तेज कूलिंग और 65% बिजली की बचत करने में सक्षम है। नई रेंज मार्केट में एक हाई स्टैंडर्ड सेट करती है क्योंकि हेक्सा इन्वर्टर टेक्नोलॉजी, केवल 10 सेकंड में सुपरसोनिक कूलिंग, फ्रॉस्ट सेल्फ-क्लीन टेक्नोलॉजी और इंटेली कन्वर्टिबल 7-इन-1 जैसे एडवान्स फीचर्स पर बेस्ड है। हायर अप्लायंसेज इंडिया के प्रेजिडेंट एनएस सतीश ने लॉन्च पर कहा, 'हायर में, हम नई टेक्नोलॉजीज बेस्ड प्रोडक्ट्स को डिजाइन करने में विश्वास करते हैं।(एजेंसियां)

देश में सौर मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता 64 गीगावाट के पार

नई दिल्ली (भाषा)।

भारत ने 2023 में 20.8 गीगावॉट सौर माड्यूल और 3.2 गीगावाट सेल विनिर्माण क्षमता स्थापित की है। अमेरिका स्थित शोध कंपनी मेरकॉम कैपिटल की नई रिपोर्ट के अनुसार, दिसम्बर 2023 तक देश की संचयी सौर माड्यूल विनिर्माण क्षमता 64.5 गीगावाट और सौर सेल विनिर्माण क्षमता 5.8 गीगावाट तक पहुंच गई।

रिपोर्ट में कहा गया, मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता 2026 तक 150 गीगावाट से ज्यादा और सेल क्षमता 75 गीगावाट से अधिक होने का अनुमान है।

मेरकॉम कैपिटल समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ने कहा, 'भारतीय विनिर्माताओं को सौर पैनल उत्पादन क्षमताओं के विस्तार में निवेश करना जारी रखने के साथ-साथ भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार विवादों की जटिलताओं से सावधानीपूर्वक निपटने की जरूरत है।

- वर्ष 2023 में जोड़ी गई थी 20.8 गीगावाट की सौर माड्यूल क्षमता
- इस दौरान 3.2 गीगावाट सेल विनिर्माण क्षमता भी स्थापित की गई
- सेल विनिर्माण क्षमता 5.8 गीगावाट हुई

सस्ते चीनी उत्पाद स्थानीय स्तर पर उत्पादित मॉड्यूल की प्रतिस्पर्धात्मकता को चुनौती देना जारी रखेंगे।' रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने 2022 में 10.3 गीगावाट के मुकाबले 16.2 गीगावाट मॉड्यूल का आयात किया। घरेलू विनिर्माताओं ने 2022 में 1.6 गीगावाट की तुलना में 2023 में 4.8 गीगावाट सौर मॉड्यूल का निर्यात किया।

पोलियो टीके के उत्पादन व आपूर्ति के लिए दो कंपनियों में करार

नई दिल्ली (भाषा)।

भारत बायोटेक ने मुंह से दिए जाने वाले पोलियो के टीकों के उत्पादन और आपूर्ति सुरक्षा को मजबूत करने के लिए नीदरलैंड स्थित बिल्थोवेन बायोलॉजिकल बी.वी. के साथ सहयोग किया है। बिल्थोवेन बायोलॉजिकल बी.वी., सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की पूर्ण स्वामित्व वाली शाखा है।

कंपनी के अनुसार, दोनों भागीदारों के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके तहत भारत बायोटेक भारत और विश्व स्तर पर आपूर्ति किए जाने वाले पोलियो के मुंह से दिए जाने वाले टीके के उत्पादन के लिए दवा संबंधी उत्पाद खरीदेगा।

रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश में बड़ी गिरावट

जनवरी-मार्च में दर्ज हुई 40 फीसद गिरावट

नई दिल्ली (भाषा)।

कार्यालय, आवासीय और भंडारण परिसंपत्तियों में धन का प्रवाह कम होने के कारण जनवरी-मार्च में रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश सालाना आधार पर 40 प्रतिशत घटकर 99.51 करोड़ अमेरिकी डालर रह गया।

कोलियर्स इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, एक साल पहले की अवधि में संस्थागत निवेश 165.83 करोड़ अमेरिकी डालर था। रियल एस्टेट सलाहकार ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि विदेशी कोषों ने 55 प्रतिशत, जबकि घरेलू निवेशकों ने 45 प्रतिशत का योगदान दिया।

आंकड़ों के अनुसार, इस साल जनवरी-मार्च में कार्यालय में संस्थागत निवेश 38 प्रतिशत गिरकर 56.3 करोड़ अमेरिकी डालर रहा जो पिछले साल 90.76 करोड़ अमेरिकी डालर था।

आवासीय क्षेत्र में निवेश में 72 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। यह 36.11 करोड़ अमेरिकी डालर से घटकर 10.26 करोड़ अमेरिकी डालर हो गया। औद्योगिक व भंडारण संपत्तियों में धन का प्रवाह 21.63 करोड़ अमेरिकी डालर से 18 प्रतिशत घटकर 17.77 करोड़ अमेरिकी डालर हो गया।

कोलियर्स इंडिया में कैपिटल मार्केट्स एंड इन्वेस्टमेंट सर्विसेज के प्रबंध निदेशक पीयूष गुप्ता ने कहा कि भारतीय रियल एस्टेट में घरेलू निवेशक तेजी से अपनी पकड़ बना रहे हैं। घरेलू संस्थागत निवेश में, कार्यालय और आवासीय परिसंपत्तियों का हिस्सा करीब 66 प्रतिशत है, जो भारत के वृद्धि रुझानों के साथ तालमेल बैठाने के रणनीतिक दृष्टिकोण को दर्शाता है।'

कोलियर्स इंडिया के वरिष्ठ निदेशक एवं अनुसंधान प्रमुख ने कहा कि 2024 की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) में भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र में विदेशी प्रवाह में एशिया प्रशांत क्षेत्र का योगदान 82 प्रतिशत से अधिक रहा।

इरेडा ने सर्वाधिक कर्ज मंजूरी 2023-24 में दी

नई दिल्ली (भाषा)।

इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट (इरेडा) ने वित्त वर्ष 2023-24 में सर्वाधिक ऋण मंजूरी दी। इरेडा ने बयान में कहा, कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में 37,354 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए और 25,089 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए गए।

- इरेडा के चेयरमैन ने कहा, हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है कर्ज मंजूरी में ज्यादा वृद्धि

बयान के अनुसार, ऋण पुस्तिका में 26.71 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह एक साल पहले के 47,076 करोड़ रुपये की तुलना में अब 59,650 करोड़ रुपये है। वार्षिक ऋण स्वीकृतियां 2022-23 में 32,587 करोड़ रुपये से 14.63 प्रतिशत बढकर 2023-24 में 37,354 करोड़ रुपये हो गई। बयान में कहा गया, जनवरी-मार्च 2024 तिमाही में ऋण मंजूरी दोगुनी से भी अधिक होकर 23,796 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 11,797 करोड़ रुपये थी।

इरेडा के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक प्रदीप कुमार दास ने कहा, 'वित्त वर्ष 2023-24 के लिए इरेडा की रिकार्ड ऋण मंजूरी और वितरण देश में नवीकरणीय ऊर्जा क्रांति को आगे बढ़ाने की हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।'

विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि 16 साल के शिखर पर

मार्च में इस क्षेत्र का पीएमआई 59.1 अंक पर पहुंचा

- फरवरी में 56.9 अंक था क्षेत्र का इंडेक्स
- विनिर्माण क्षेत्र के उत्पादन में लगातार 33वीं बार बढ़त दर्ज
- सूचकांक के 50 से ऊपर रहने का मतलब गतिविधियों में विस्तार होना है
- दुनिया की चार सौ कंपनियों को लेकर तैयार किया गया है विनिर्माण क्षेत्र का पीएमआई

नई दिल्ली (भाषा)।

उत्पादन और नए ठेकों में मजबूत वृद्धि के दम पर मार्च में भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि 16 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई।

मौसमी रूप से समायोजित 'एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक' (पीएमआई) मार्च में बढ़कर 59.1 अंक पर पहुंच गया जो फरवरी में 56.9 था। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है। एचएसबीसी की अर्थशास्त्री इनेस लैम ने कहा, 'भारत का मार्च विनिर्माण पीएमआई 2008 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। विनिर्माण कंपनियों में मजबूत उत्पादन और नए ठेकों से नियुक्तियां बढ़ीं।' विनिर्माण उत्पादन मार्च में लगातार 33वें महीने बढ़ा। अक्टूबर 2020 के बाद से यह सर्वाधिक वृद्धि है।

एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है। और इन सवालों के जवाब के आधार पर इंडेक्स रैंकिंग हुई है।

परिवहन मंत्रालय ने मौद्रीकरण से जुटाई मोटी रकम

नई दिल्ली (भाषा)।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2023-24 में अपनी परिसंपत्तियों के मौद्रीकरण के जरिये कुल 40,314 करोड़ रुपये जुटाए है, जो निर्धारित लक्ष्य से काफी अधिक है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने कहा कि मंत्रालय ने टोल वसूली-परिचालन- हस्तांतरण (टीओटी) समूहों के मौद्रीकरण के जरिए समाप्त वित्त वर्ष में 15,968 करोड़ रुपये जुटाए जबकि अवसंरचना निवेश न्यास (इनविट) के माध्यम से 15,700 करोड़ रुपये और प्रतिभूतियों की बिक्री के जरिये 8,646 करोड़ रुपये जुटाए है। इस तरह वित्त वर्ष 2023-24 के लिए संपत्ति मौद्रीकरण के जरिये जुटाई गई राशि 28,968 करोड़ रुपये के निर्धारित लक्ष्य से आगे निकल गई। मंत्रालय ने संपत्ति मौद्रीकरण के जरिये वित्त वर्ष 2022-23 में 32,855 करोड़ रुपये जुटाए थे।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय फिलहाल अपनी परिसंपत्तियों का मौद्रीकरण तीन तरीकों से करता है जिसमें टीओटी मॉडल, इनविट और परियोजना-आधारित वित्तपोषण शामिल है। इस तरह सभी श्रेणियों के निवेशकों को संबंधित परिसंपत्तियों में निवेश करने का अवसर दिया जाता है।

इनविट म्यूचुअल फंड की तर्ज पर एक निवेश साधन है, जिसे निवेशकों से पैसा इकट्ठा करने और परिसंपत्तियों में निवेश करने के लिए बनाया गया है।

भारत और ईईयू के बीच एफटीए पर चर्चा

नई दिल्ली (भाषा)।

भारत और पांच देशों के ब्लॉक यूरेशियाई आर्थिक संघ (ईईयू) के वरिष्ठ अधिकारियों ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर औपचारिक रूप से बातचीत शुरू करने के लिए पिछले महीने विस्तृत चर्चा की। एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि मुक्त व्यापार समझौते से दोनों पक्षों के बीच आर्थिक संबंधों को बढ़ावा मिलेगा।

ईईयू के पांच सदस्यों में आर्मेनिया, बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान और रूस शामिल है। अधिकारी ने कहा कि प्रस्तावित समझौते पर दो व्यवहार्यता अध्ययन पहले ही किए जा चुके है।

जोमैटो को सेवा कर मांग का नोटिस मिला

नई दिल्ली (भाषा)।

ऑनलाइन खाने का आर्डर देने और उसे मंगाने की सुविधा देने वाले मंच जोमैटो को 184 करोड़ रुपये से अधिक की सेवा कर मांग और जुर्माने को लेकर नोटिस मिला है। कंपनी इस आदेश के खिलाफ उचित प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर करेगी।

जोमैटो ने सोमवार देर रात शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यह आदेश अक्टूबर, 2014 से जून, 2017 के बीच सेवा कर का भुगतान नहीं करने को लेकर दिया गया है। इसका निर्धारण कंपनी की विदेशी अनुषंगी इकाइयों और शाखा की देश के बाहर अपने ग्राहकों को कुछ बिक्री के आधार पर किया गया है।

जोमैटो ने यह भी कहा कि नोटिस के जवाब में उसने जरूरी दस्तावेज और इस संदर्भ में पूर्व में दिये गये अदालती आदेशों के साथ आरोपों पर स्पष्टीकरण दिया था। कंपनी को लगता है कि आदेश पारित करते समय अधिकारियों ने इसपर गौर नहीं किया जोमैटो ने कहा कि उसे दिल्ली केंद्रीय कर आयुक्त का एक अप्रैल को पारित आदेश मिला है।

कर संग्रह लक्ष्य हासिल हुआ

नई दिल्ली (भाषा)। सरकार ने मजबूत आर्थिक गतिविधियों और बेहतर अनुपालन की मदद से वित्त वर्ष 2023-24 में 34.37 लाख करोड़ रुपये से अधिक कर संग्रह के लक्ष्य को काफी हद तक हासिल कर लिया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा, 'वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कर राजस्व का कुल लक्ष्य हासिल कर लिया गया है।' सरकार ने अप्रैल 2023- मार्च 2024 के लिए संशोधित बजट अनुमान में प्रत्यक्ष कर संग्रह का लक्ष्य बढ़ाकर 19.45 लाख करोड़ रुपये कर दिया था जबकि अप्रत्यक्ष कर (जीएसटी, सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क) के लिए अनुमान को घटाकर 14.84 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया था।

इस दौरान 17 मार्च तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह (कॉरपोरेट कर और व्यक्तिगत आयकर मिलाकर) 18.90 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया था। पिछले वित्त वर्ष में जीएसटी कर संग्रह का उच्च आंकड़ा भी दर्ज किया गया। यह अप्रैल 2023 में 1.87 लाख करोड़ रुपये के रिकार्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया, जबकि मार्च, 2024 में 1.78 लाख करोड़ रुपये का दूसरा सबसे बड़ा संग्रह आया।

सेंसेक्स 111 अंक टूटा

मुंबई (भाषा)।

घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को तीन कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 111 अंक के नुकसान में रहा।

तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 110.64 अंक यानी 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73,903.91 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 270.78 अंक तक नीचे चला गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 8.70 अंक यानी 0.04 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 22,453.30 अंक पर बंद हुआ।

चुनावी बांड की एसओपी के खुलासे से स्टेट बैंक का इनकार

नई दिल्ली (भाषा)।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने उसकी शाखाओं से जारी किए गए चुनावी बांड की बिक्री और उन्हें भुनाने के लिए अपनी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का खुलासा करने से इनकार कर दिया है।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने एक आरटीआई के जवाब में व्यावसायिक गोपनीयता के तहत दी गई छूट का हवाला देते हुए यह जानकारी देने से मना किया। सूचना के अधिकार (आरटीआई) कानून के तहत दायर एक आवेदन में अंजलि भारद्वाज ने चुनावी बांड की बिक्री और उन्हें भुनाने के लिए एसओपी का विवरण मांगा था। एसबीआई के केंद्रीय सार्वजनिक सूचना अधिकारी और उप महाप्रबंधक एम कन्ना बाबू ने अपने जवाब में 30 मार्च को कहा, 'अधिकृत शाखाओं को समय-समय पर जारी चुनावी बांड योजना-2018 की मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) आंतरिक दिशानिर्देश है, जिन्हें सूचना का अधिकार कानून की धारा 8(1) (डी) के तहत छूट दी गई है।'

आरटीआई कानून की धारा 8(1)(डी) वाणिज्यिक विश्वास, कारोबारी गोपनीयता या बौद्धिक संपदा सहित ऐसी जानकारी के खुलासे से छूट देती है, जिसे बताने से प्रतिस्पर्धी स्थिति को नुकसान होगा।

बायजू 500 कर्मचारियों की छंटनी करेगी, ट्यूशन सेंटर होंगे प्रभावित

नई दिल्ली (भाषा)। वित्तीय संकट से घिरे शिक्षा-प्रौद्योगिकी मंच बायजू को फिर से पटरी पर लाने की कोशिशों के बीच करीब 500 कर्मचारियों की छंटनी की जा रही है। सूत्रों ने कहा कि यह छंटनी कारोबार पुनर्गठन की कोशिशों का हिस्सा है। इसकी शुरुआत 15-20 दिन पहले हुई थी और इस प्रक्रिया में करीब 500 कर्मचारी प्रभावित हो सकते है।

नौकरी में कटौती का नवीनतम दौर बिक्री कार्यो, शिक्षकों और कुछ ट्यूशन केंद्रों को प्रभावित करेगा। हालांकि सूत्रों ने कहा कि बायजू को बेहद खराब स्थिति में ही आगे चीजों को सुसंगत करने की जरूरत पड़ सकती है। ऐसी सूचना है कि कुछ प्रभावित कर्मचारियों को फोन पर छंटनी की सूचना दे दी गई है। लेकिन छंटनी के संबंध में बायजू ने कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। बायजू के प्रवक्ता ने ईमेल प्रतिक्रिया में कहा, हम परिचालन ढांचे को सरल बनाने, लागत आधार को कम करने और बेहतर नकदी प्रवाह प्रबंधन के लिए अक्टूबर, 2023 में घोषित कारोबार पुनर्गठन अभ्यास के अंतिम चरण में है। कुछ निवेशकों के साथ कानूनी विवादों में उलझी बायजू के प्रवक्ता ने कहा कि उसे उस 'दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति' पर खेद है जिसमें कंपनी को मजबूर होना पड़ा है।

- वित्तीय संकट में घिरी कंपनी पिछले साल अक्टूबर और नवंबर में भी 2,500-3,000 लोगों को नौकरी से निकाला था

बायजू ने पहले संकेत दिया था कि कारोबार सुधार की कवायद लगभग 4,500 लोगों को प्रभावित करेगी। पिछले साल अक्टूबर और नवंबर में करीब 2,500-3,000 लोगों को नौकरी से निकाला गया था। अबतक लगभग 3,000-3,500 लोगों के छंटनी से प्रभावित होने के बाद भी 1,000-1,500 लोगों की और छंटनी की आशंका बनी हुई है। बायजू ने हाल ही में अपने कर्मचारियों को मार्च का वेतन देने में देरी होने की सूचना दी थी। कंपनी कर्मचारियों को आठ अप्रैल तक वेतन देने की कोशिशों में लगी है।

बीते वित्त वर्ष में आईपीओ से 62,000 करोड़ रुपये जुटाए गए

नई दिल्ली (भाषा)।

बीते वित्त वर्ष 2023-24 में 76 कंपनियों ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये करीब 62,000 करोड़ रुपये जुटाए है। यह राशि इससे पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 19 प्रतिशत अधिक है। शेयर बाजारों में तेजी, खुदरा निवेशकों की जोरदार भागीदारी और संस्थागत निवेशकों के मजबूत निवेश की वजह से आईपीओ बाजार में तेजी रही।

पेंटोमैथ ग्रुप ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में भी यह तेजी जारी रहने की उम्मीद है और आईपीओ के लिए यह एक और शानदार साल रह सकता है। रिपोर्ट में कहा गया कि यह भरोसा घरेलू पूंजी में वृद्धि, बेहतर शासन पद्धतियां, बढ़ती उद्यमशीलता और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के अनुकूल रुख के चलते है।

वित्तीय क्षेत्र में जोखिम कम करने को सतत निगरानी जरूरी : आरबीआई डिप्टी गवर्नर

मुंबई (भाषा)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर राव ने कहा है कि केंद्रीय बैंक जोखिमों को कम करने के लिए लगातार निगरानी रखेगा, क्योंकि बेलगाम ऋण वृद्धि वित्तीय सेहेत के लिए हानिकारक हो सकती है। राव ने हाल ही में यहां आयोजित भारत निवेश शिखर सम्मेलन के दौरान कहा कि आरबीआई की कोशिश हमेशा एक उचित नियामक और निगरानी ढांचे के साथ मजबूत और जुझारू वित्तीय मध्यस्थता प्रणाली को बढ़ावा देने की है।

राव ने कहा कि प्रौद्योगिकी विकास और नवाचार में वित्तीय क्षेत्र के लिए बड़ी संभावनाएं मौजूद है। उनमें वित्तीय फर्मो की पहुंच बढ़ाने, ग्राहकों के लिए उत्पाद की पेशकश और सुविधाओं की सीमा बढ़ाने, अभी तक दायरे से बाहर रहे क्षेत्रों तक वित्त का विस्तार करने की अपार संभावनाएं है। डिप्टी गवर्नर ने कहा, इसके साथ ही हमें उन संभावनाओं के प्रति सतर्क रहने की जरूरत है कि वित्तीय-प्रौद्योगिकी फर्मो सहित वित्तीय सेवा क्षेत्र में आई नई कंपनियां वित्तीय सेवा प्रदाताओं का समूचे स्वरूप को बदल सकती है। उन्होंने कहा कि इससे बाजार की सघनता और प्रतिस्पर्धा का स्तर प्रभावित हो सकता है और नई चुनौतियां भी पैदा हो सकती है। उन्होंने चक्रीय-समर्थक उधारी से जुड़े जोखिमों पर कहा कि बेलगाम ऋण वृद्धि और क्रेडिट अनुशासन में किसी भी तरह की ढिलाई संबंधित वित्तीय इकाई के स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह हो सकती है और इसके व्यापक होने पर प्रणालीगत चिंताएं भी पैदा हो सकती है।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
राजस्थान	3	3	0	6
कोलकाता	2	2	0	4
चेन्नई	3	2	1	4
लखनऊ	3	2	1	4
गुजरात	3	2	1	4
हैदराबाद	3	1	2	2
दिल्ली	3	1	2	2
पंजाब	3	1	2	2
बेंगलोर	4	1	3	2
मुंबई	3	0	3	0

ऑरेंज कैप

विराट कोहली

203 रन

बेंगलोर

पर्पल कैप

मुस्तफिजुर रहमान

07 विकेट

चेन्नई

बाउंड्री मीटर

408 चौके

270 छक्के

आईपीएल में 200 मैच खेलने वाले 10वें खिलाड़ी बने रविचंद्रन अश्विन

एजेंसी ▶▶| मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के 14वें मैच में राजस्थान रॉयल्स ने मुंबई इंडियंस (MI) को 6 विकेट से हराते हुए अपना लगातार तीसरा मैच जीता। ये मुकाबला आरआर के रविचंद्रन अश्विन के लिए भी खास रहा।

दरअसल, मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया ये मुकाबला उनके आईपीएल करियर का 200वां मैच रहा। हालांकि वह इस मैच में कोई विकेट नहीं ले सके।

सबसे ज्यादा मैच का रिकॉर्ड धोनी के नाम

भारत की प्रतिष्ठित लीग में सीएसके के महेंद्र सिंह धोनी (253) ने सर्वाधिक मैच खेले हैं। उनके अलावा दिनेश कार्तिक (245), रोहित शर्मा (246), विराट कोहली (240), रविंद्र जडेजा (229), शिखर धवन (220), सुरेश रैना (205), रॉबिन उथप्पा (205) और अम्बाती रायडू (204) ऐसा कर चुके हैं। बता दें कि अश्विन ने 2009 में अपना पहला आईपीएल मैच खेला था। अश्विन आईपीएल इतिहास के 10वें ऐसे खिलाड़ी बने हैं, जिन्होंने लीग में 200 मैच खेले हैं।

5 टीमों से खेल चुके हैं अश्विन

अश्विन आरआर से पहले चेन्नई सुपरकिंग्स, दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स और राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स की ओर से खेल चुके हैं। उन्होंने सीएसके की जर्सी में 24.22 की औसत के साथ 90 विकेट अपने नाम किए थे। DC की ओर से उन्होंने 36.10 की औसत से 20 विकेट चटकाए थे। इसके अलावा पीबीकेएस और आरपीएस से उन्होंने क्रमशः 25 और 10 विकेट लिए थे। आरआर की ओर से उन्होंने 27 विकेट लिए हैं।

5वें सबसे ज्यादा विकेट चटकाए

अश्विन ने 18 अप्रैल, 2009 को मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने आईपीएल करियर का आगाज किया था। उन्होंने 200 मैचों में 29.03 की औसत और 7.03 की इकॉनमी रेट से 172 विकेट अपने नाम किए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/34 विकेट का रहा है। वह लीग में फिलहाल 5वें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। दूसरी तरफ बल्लेबाजी में उन्होंने 1 अर्धशतक की मदद से 759 रन बनाए हैं।

आईपीएल में रिटायर आउट होने वाले पहले खिलाड़ी

आईपीएल 2022 में अश्विन ने एलएसजी के खिलाफ रिटायर आउट होने का फैसला किया था। अश्विन 19वें ओवर की 2 गेंद होने के बाद अचानक मैदान छोड़कर चले गए। नियमों के मुताबिक, वह रिटायर आउट हुए और रियान पराग बल्लेबाजी के लिए आए थे। अश्विन जानते थे कि रियान तेजी से रन बनाने में सक्षम हैं और उन्हें मौका देना टीम के हित में होगा। वह आईपीएल इतिहास में रिटायर आउट होने वाले पहले खिलाड़ी बने थे।

बेमिसाल रहा है अश्विन का टी-20 करियर

अश्विन का टी-20 क्रिकेट करियर बेमिसाल रहा है। उन्होंने 312 टी-20 मैच खेले हैं, जिसमें लगभग 26 की औसत और 7 की इकॉनमी रेट के साथ 302 विकेट लिए हैं। इस बीच उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8 रन देते हुए 4 विकेट लेना रहा है। वह टी-20 प्रारूप में 4 बार 4 विकेट हॉल ले चुके हैं। वह घरेलू क्रिकेट में तमिलनाडु क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। बल्लेबाजी में उन्होंने 1,100 से अधिक रन बनाए हैं।

खबर संक्षेप

भारत के अनिरूद्ध और विजय एटीपी टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में

ह्यूस्टन। भारत के अनिरूद्ध चंद्रशेखर और विजय प्रशांत की जोड़ी अमेरिका में एटीपी टूर पर पुरूषों की क्लेकोर्ट चैम्पियनशिप के युगल क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। भारतीय जोड़ी ने अमेरिकी वाइल्ड कार्डधारी माइकल एममो और फ्रांसिस टियाफो को 6-3 , 6-4 से हराया। अब उनका सामना आस्ट्रेलिया के चौथी वरीयता प्राप्त एम पर्सल और जे थॉम्पसन से होगा। प्रशांत इस समय युगल रैंकिंग में 101वें और चंद्रशेखर 113वें स्थान पर है।

कोहली ने फिर खुद को निखार लिया : हसी

मुंबई। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेविड हसी का मानना है कि विराट कोहली 'फिर से निखर' गए हैं। उन्होंने इस भारतीय बल्लेबाज के स्ट्राइक रेट पर बहस के बीच इस चैंपियन खिलाड़ी को नजरअंदाज करने के खिलाफ चेतावनी दी।

आईपीएल के मौजूदा सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के लिए सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में सबसे आगे होने के बावजूद कोहली को पिछले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पर्याप्त आक्रामकता के साथ बल्लेबाजी नहीं करने के लिए कुछ आलोचना का सामना करना पड़ा। हसी से जब पूछा गया कि कोहली के स्ट्राइक रेट को लेकर चल रही बहस पर उनका क्या कहना है तो उन्होंने कहा, ''विराट कोहली सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, क्या वह इस समय आईपीएल में नहीं हैं?'' उन्होंने कहा, ''वह काफी अच्छे खिलाड़ी हैं।

लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर निकले धोनी, अगला मैच खेलने पर संशय

मुंबई। शुक्रवार को आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के सामने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलेगी। दोनों टीमें हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में आमने-सामने होंगी लेकिन महेन्द्र सिंह धोनी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलने पर संशय छाया हुआ है। बता दें कि दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में धोनी को लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर जाते देखा गया। इसके बाद ऐसा माना जा रहा है कि सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ कैप्टन कूल प्लेइंग इलेवन से बाहर हो सकते हैं। मालूम हो कि दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में महेन्द्र सिंह धोनी ने ताबड़तोड़ पारी खेली। कैप्टन कूल ने 16 गेंदों पर 37 रन नॉटआउट बना डाले।

आईपीएल : मयंक यादव ने चार ओवर में 14 रन देकर झटके तीन विकेट

लखनऊ के गेंदबाजों ने किया कमाल, बेंगलुरु को 28 रनों से हराकर दर्ज की दूसरी जीत

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के 15वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 28 रन से हराते हुए इस सीजन में अपनी दूसरी जीत दर्ज की है। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में जीत के लिए मिले 182 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी की टीम 153 रन पर ही सिमट गई।

यह मौजूदा सीजन में आरसीबी की तीसरी हार है। आरसीबी के लिए महिपाल लोमरोर ने सबसे ज्यादा 33 रन का योगदान दिया। एलएसजी के लिए मयंक यादव ने चार ओवर में 14 रन देकर तीन विकेट लिये।

एलएसजी ने इस तरह से दर्ज की जीत

एलएसजी से क्विंटन डिकॉक ने अर्धशतक (81) लगाया। उनके अलावा निकोलस पूरन ने 21 गेंदों में 40* रन बनाते हुए टीम को 181/5 के स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में आरसीबी ने पॉवरप्ले के बाद तक 48 रन बनाए और इस बीच विराट कोहली (22), फाफ डु प्लेसिस (9) और ग्लेन मैक्सवेल (0) के विकेट गंवाए। मुश्किल घड़ी में रजत पाटीदार (29) और महिपाल लोमरोर ने संघर्ष किया लेकिन एलएसजी की दमदार गेंदबाजी के चलते आरसीबी लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी।

मयंक ने अपनी गति से फिर किया कमाल

आरसीबी के खिलाफ मयंक यादव ने अपनी गति का कहर बरपाया। उन्होंने मैक्सवेल को खाता भी नहीं खोलने दिया। इसके बाद उन्होंने कैमरून ग्रीन को बोल्ड करते हुए अपनी दूसरी सफलता हासिल की। उन्होंने अपने आखिरी ओवर में पाटीदार का विकेट लिया। इस 21 वर्षीय तेज गेंदबाज ने अपने 4 ओवर में सिर्फ 14 रन देते हुए 3 प्रमुख विकेट हासिल किए। उन्होंने 156.7 किमी/घंटा की रफ्तार से गेंद की, जो इस सीजन की सबसे तेज गेंद है।

16वीं बार शून्य पर आउट हुए मैक्सवेल

मैक्सवेल 16वीं बार आईपीएल में शून्य पर आउट हुए हैं। वह लीग इतिहास में दूसरे सबसे ज्यादा बार बिना खाता खोले आउट होने वाले बल्लेबाज बने हैं। उनसे आगे सिर्फ दिनेश कार्तिक और रोहित शर्मा हैं, जो 17-17 बार शून्य पर आउट हुए हैं।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में कोहली का 100वां मैच

कोहली का यह चिन्नास्वामी स्टेडियम में 100वां टी-20 मैच रहा। वह किसी एक मैदान पर 100 टी-20 मैच खेलने वाले पहले भारतीय बने हैं। उन्होंने यहां पर 97 पारियों में 3,298 रन बनाए हैं। इस बीच वह 14 बार नाबाद भी रहे हैं। कोहली ने इस मैदान पर 4 शतक और 25 अर्धशतक लगाए हैं। वह इस मैदान पर सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

छठे सबसे तेज 3,000 आईपीएल रन वाले बल्लेबाज बने डिकॉक

डिकॉक आईपीएल में 3,000 रन का आंकड़ा छूने वाले छठे सबसे तेज बल्लेबाज (पारियों में) बने हैं। उन्होंने 99 पारियों में ये मुकाम हासिल किया है। उनसे कम पारियों में क्रिस गेल (75), केएल राहुल (80), जोस बटलर (85), डेविड वार्नर (94) और डु प्लेसिस (95) ने ये मुकाम हासिल किया है। ये डिकॉक की आईपीएल 2024 में लगातार दूसरी 50+ की पारी है। उन्होंने पिछले मैच में पीबीकेएस के विरुद्ध 54 रन बनाए थे।

स्कोर बोर्ड

लखनऊ	रन	गेंद	4	6
क्विंटन डिकॉक का डागर बो टॉप्ली	81	56	8	5
लोकेश राहुल का डागर बो मैक्सवेल	20	14	0	2
देवदत्त पडिक्कल का रावत बो सिराज	06	11	0	0
स्टोइनिस का डागर बो मैक्सवेल	24	15	1	2
निकोल्स पूरन नाबाद	40	21	1	5
आयुष बडोनी का डुप्लेसिस बो दयाल	00	03	0	0
कृणाल पंड्या नाबाद	00	0	0	0

अतिरिक्त : 10, कुल योग: 20 ओवर में पांच विकेट पर 181 रन
विकेट पतन: 1-53, 2-73, 3-129, 4-143, 5-148
गेंदबाजी : टॉप्ली 4-0-39-1, दयाल 4-0-24-1, सिराज 4-0-47-1, मैक्सवेल 4-0-23-2, डागर 2-0-23-0, ग्रीन 2-0-25-0

बेंगलुरु	रन	गेंद	4	6
कोहली का पडिक्कल बो सिद्धार्थ	22	16	2	1
फाफ डु प्लेसिस रन आउट	19	13	3	0
रजत पाटीदार का पडिक्कल बो यादव	29	21	2	2
ग्लेन मैक्सवेल का पूरन बो मयंक	00	02	0	0
कैमरून ग्रीन बो मयंक	09	09	1	0
अनुज रावत का पडिक्कल बो स्टोइनिस	11	21	0	0
लोमरोर का पूरन बो यश ठाकुर	33	13	3	3
कार्तिक का राहुल बो नवीन उल हक	04	8	0	0
मयंक डागर रन आउट	00	01	0	0
रीस टॉप्ली नाबाद	03	06	0	0
सिराज का पूरन बो नवीन उल हक	12			

अतिरिक्त : 11, कुल योग: 19.4 ओवर में 153/10 रन
विकेट पतन:1-40, 2-42, 3-43, 4-58, 5-94, 6-103, 7-136 , 8-137, 9-138
गेंदबाजी : एम सिद्धार्थ 3-0-21-1, कृणाल 1-0-10-0, नवीन उल हक 3.4-0-25-2, मयंक 4-0-14-3, बिश्नोई 3-0-33-0, यश ठाकुर 4-0-38-1, स्टोइनिस 1-0-9-1

खास खबर

हम कभी हार नहीं मानते, संघर्ष करते रहेंगे : हार्दिक पंड्या

मुंबई। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने शुक्रवार को कहा कि पूर्व चैम्पियन टीम हार नहीं मानेगी और हार की हैट्रिक के बावजूद मौजूदा आईपीएल में संघर्ष जारी रहेगा। हार्दिक ने एक्स पर पोस्ट किया इस टीम के बारे में आपको एक बात पता होनी चाहिये। हम हार नहीं मानते। हम संघर्ष जारी रखेंगे। हौसला बना रहेगा।'' बता दें कि कप्तान के तौर पर हार्दिक के कुछ फैसलों की भी आलोचना हुई है। मसलन जसप्रीत बुमराह को नयी गेंद नहीं सौंपना या खुद टिम डेविड के बाद बल्लेबाजी के लिये उतरना। रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाये जाने के बाद से हार्दिक को प्रशंसकों का आक्रोश झेलना पड़ रहा है। पहले दो मैचों में दर्शकों ने उनकी हूटिंग की और वानखेड़े स्टेडियम पर मुंबई के इस सत्र के पहले मैच में भी उन्हें इसका सामना करना पड़ा।

अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजों के साथ अभ्यास शिविर की मांग

रोहतक। *राष्ट्रीय जूनियर महिला मुक्केबाजी कोच गीता चानू का मानना है कि भारत में खेल के विकास के लिये अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजों के साथ एक महीने का अभ्यास शिविर लगाया जाना चाहिये। चानू ने कहा कि उजबेकिस्तान, कजाखस्तान और तुर्कमेनिस्तान जैसे देश विभिन्न आयुवर्ग के लिये साथ में अभ्यास और प्रतिस्पर्धा शिविर लगाते हैं। इससे कम उम्र में ही उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने जैसा अनुभव मिल जाता है। उन्होंने कहा हमारे खिलाड़ी बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में ही अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजों का सामना करते हैं।'' भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने यहां जूनियर लड़के और लड़कियों के लिये भारतीय खेल प्राधिकरण की जूनियर मुक्केबाजी अकादमी में शिविर का आयोजन किया था।*

टी20 वर्ल्ड कप से पहले इंग्लैंड को झटका, बेन स्टोक्स नहीं खेलेंगे, खुद नाम लिया वापस

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टी20 वर्ल्ड कप से पहले ही इंग्लैंड को बड़ा झटका लगा है। बेन स्टोक्स जून-जुलाई में होने वाले टी20 विश्व कप में नहीं खेलेंगे। उन्होंने खुद सेलेक्शन के लिए अपना नाम वापस ले लिया है। इंग्लैंड क्रिकेट टीम मैनेजमेंट ने ये जानकारी दी।

आईसीसी मेंस टी20 विश्व कप 2024 वेस्टइंडीज और अमेरिका के 9 शहरों में 1 से 29 जून तक खेला जाएगा। बता दें कि स्टोक्स ने पिछले टी20 विश्व कप के बाद से सिर्फ़ दो टी20 खेले हैं और यह दोनों ही मैच उन्होंने आईपीएल 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेले थे। हालांकि, स्टोक्स ने इस साल आईपीएल से भी अपना नाम वापस ले लिया था।

मैं बेहतर ऑलराउंडर बनने की कोशिश कर रहा : स्टोक्स

ईसीबी ने स्टोक्स के हवाले से उनका एक बयान जारी किया है, जिसमें स्टोक्स ने कहा है, मैं हर फॉर्मेट में ख़ुद को ऑलराउंडर के तौर पर तैयार करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूं। आईपीएल और टी20 विश्व कप से बाहर होना इस लक्ष्य को हासिल करने में मेरी मदद करेगा।

वर्ल्ड कप विजेता टीम के हिस्सा रहे

स्टोक्स 2022 में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली इंग्लैंड क्रिकेट टीम का हिस्सा थे। उन्होंने फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 52 रन की पारी खेली थी और विनिंग रन भी उनके बल्ले से ही निकला था। तब इंग्लैंड ने मेलबर्न में पाकिस्तान को 5 विकेट से हराया था।

4 जून को अपना पहला मैच खेलेगी इंग्लिश टीम

इस साल टी-20 विश्व कप में 20 टीमें हिस्सा लेंगी, जिसकी शुरुआत 1 जून से होनी है। इंग्लिश टीम 4 जून को स्कॉटलैंड के विरुद्ध मैच के साथ अपने अभियान का आगाज करेगी। इंग्लैंड को ग्रुप-बी में रखा गया है, जहां उनके साथ ऑस्ट्रेलिया, नामीबिया, स्कॉटलैंड और ओमान हैं। जोस बटलर के नेतृत्व में इंग्लैंड की टीम अपना तीसरा खिताब जीतना चाहेगी। बता दें कि 2010 और 2022 में इंग्लिश टीम विजेता बन चुकी है।

चैम्पियंस लीग टी-20 टूर्नामेंट फिर होगा शुरू

बात कर रहे भारत, आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड बोर्ड

मुंबई। भारत, आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के क्रिकेट बोर्ड दस साल पहले बंद हो चुकी चैम्पियंस लीग क्लब टी20 चैम्पियनशिप को फिर शुरू करने के लिये आपस में बातचीत कर रहे हैं। आखिरी बार चैम्पियंस टी20 लीग का आयोजन 2014 में हुआ था जब चेन्नई सुपर किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को हराकर खिताब जीता था। उस समय भारत से तीन, आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका से दो-दो और पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड से एक एक टीम ने इसमें भाग लिया था।

इसके लिए विंडो बनाना बड़ी चुनौती : सीईओ

क्रिकेट विक्टोरिया के सीईओ निक कमिंस ने कहा कि अति व्यस्त क्रिकेट कैलेंडर में इसके लिये विंडो बनाना सबसे बड़ी चुनौती है। हो सकता है कि पहली चैम्पियंस लीग महिला क्रिकेट में हो जिसमें डब्ल्यूपीएल, द हंड्रेड और महिला बिग बैश लीग की टीमें खेलेंगी।

ओलंपिक की तैयारी के लिए पांच मैचों की सीरीज खेलने हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया रवाना

हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली टीम बोली- हम काफी उत्साहित

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय पुरूष हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए 6 अप्रैल से शुरू हो रही पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलने आस्ट्रेलिया रवाना हो गई है। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली टीम सोमवार की रात रवाना हुई। बता दें कि भारतीय टीम ने हाल ही में भुवनेश्वर में एफआईएच प्रो-लीग के चार में से तीन मैच जीते थे। 6 अप्रैल को पहले मैच के बाद सात, 10, 12 और 13 अप्रैल को मैच होने हैं।

हमें मिलेगा सुधार का मौका, क्षमता पर पूरा भरोसा कप्तान हरमनप्रीत ने रवानगी से पहले कहा कि इस दौरे को लेकर हम काफी उत्साहित हैं, इससे हमें पेरिस ओलंपिक से पहली अपनी ताकत और कमजोरियों का पता चलेगा और सुधार का मौका भी मिलेगा। वहीं, उपकप्तान हार्दिक सिंह ने कहा कि हम अपने कौशल और रणनीति को निखारने के लिये एक टीम के रूप में काफी मेहनत कर रहे हैं। हमें अपनी क्षमता पर भरोसा है। हमें यकीन है कि प्रदर्शन अच्छा होगा।

दूसरा टेस्ट: बांग्लादेश को जीत के लिए चाहिए 243 रन, श्रीलंकाई टीम की झोली में टेस्ट जाना तय

श्रीलंका के गेंदबाजों के नाम रहा चौथा दिन, धड़ाधड़ गिरे विकेट

एजेंसी ▶▶| चटगांव

चटगांव टेस्ट में श्रीलंका क्रिकेट टीम ने जीत की ओर कदम बढ़ा लिया है। बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने जीत के लिए मिले 511 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी दूसरी पारी में 7 विकेट खोकर 268 रन बना लिए हैं। चौथे दिन के खेल की समाप्ति तक तैजुल इस्लाम (10) और मेहदी हसन मिराज (44) क्रीज पर सुरक्षित हैं।

बांग्लादेश को जीत के लिए 243 रन की दरकार है। लगातार गिर रहे विकेटों के बीच मेहदी हसन ने अपना संघर्ष जारी रखा है। वह 49 गेंदों पर 44 रन बनाकर क्रीज पर बने हुए हैं। श्रीलंका से लाहिरू कुमारा, प्रभात जयसूर्या और कामिंदु मेंडिस ने 2-2 विकेट लिए हैं।

लोक नाट्य

उर्मिला शुक्ल

छत्तीसगढ़ी गायन परंपरा में दसमत गाथा

छत्तीसगढ़ी गाथाओं में चर्चित दसमत कैना उल्लेखनीय है। यह आंचलिक गाथा गायन परंपरा की लुप्त प्राय गाथा लोक वार्ता की अमूल्य निधि है। यह गाथा एक स्त्री के संघर्ष, उसकी जिजीविषा और उसके आत्म सम्मान की गाथा है। दसमत की यह गाथा किसी पुरुष की गाथा न होकर एक मेहनत कश स्त्री के स्वाभिमान और उसके सम्मान की गाथा है। इस गाथा गीत के अनुसार दसमत कैना राजा की पुत्री है जो गरीब ओड़िया सुदन से ब्याह दी जाती है। उसके पिता ब्राह्मण जाति के माने जाते हैं। नाट्य का प्रारंभ ही इस परिचय के साथ होता है -

राजा भोज बाम्हन के बेटी, कुल बमनीन के जात
अपन करतम तकदीर के सेती, पाए हे ओड़िया भतार।
सुदन बिहइया लागे कईना के, लच्छन देवता तोर।
सोला के लागे भतार, बारा बछर दसमत के उमर
सब ओड़िया ताबेदार।

कला जगत

डा. अर्चना पाठक

खैरागढ़ राज के प्रमुख संगीतज्ञ रहे : दाऊ भानु

खैरागढ़ राज परिवार में राजा लाल बहादुर सिंह के काल में भानु प्रताप दास उनके कार चालक के रूप में पदस्थ थे। नाटकों के संचालन व निर्देशन में आपको महारथ हासिल थी। आपने तत्कालीन फारेस्ट ऑफिसर महापात्र की पुत्री को नृत्य एवं गायन की शिक्षा दी। आपके समकालीन अनेक संगीतज्ञों की कला का दरबार में सम्मान एवं प्रदर्शन होता रहता था। इसी कड़ी में आपके गुणों से प्रभावित होकर राजा बहादुर ने आपको प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया था।

पुस्तक समीक्षा

चिगबिगरी छत्तीसगढ़ी गीत संग्रह

कृति के नाव: चिगबिगरी
लेखक: पुसन कुमार
प्रकाशक: विक्रम प्रिंटर्स बालोद
पुस्तक समीक्षा: सीताराम ' श्याम'
मूल्य: पचास रुपए

छत्तीसगढ़ अंचल में कवियों द्वारा अपने अंचल विशेष को महत्व देने का प्रयास करते हैं ताकि उस क्षेत्र की विशेषता को पाठक कविता के माध्यम से समझ सकें। यही प्रयास इस पुस्तक में देखने में आ रहा है। इसमें बालोद अंचल के प्राकृतिक दृश्यों, धार्मिक महत्व के स्थलों, खानपान और तीज तिहार को महत्व दिया गया है। 52 कविता अपने आप में कोई न कोई संदेश देने के लिए पर्याप्त नजर आ रहे हैं। एक गुलदस्ता के रूप में सभी कविताओं को पिरोने का अच्छा प्रयास हुआ है जो शीर्षक से ही स्पष्ट हो जाता है।

बालोद जिला में स्थित गुंडरदेही से अर्जुन्दा मार्ग पर कांदुल गांव है। कंदमूल, हरी सेम और कांदा भाजी की बहुलता के कारण इस गांव का नाम 'कांदुल' पड़ा। बढ़ई द्वारा निर्मित बैलगाड़ियों के चक्कों के लिए यह गांव प्रख्यात रहा। देश की सीमा सुरक्षा बल में इस गांव के 54 नौजवान सेवारत हैं। यहां के धरती पुत्र उकेश ठाकुर देश के नाम शहीद हुए।

कंदमूल की अधिकता से गांव कहलाया कांदुल

गांव की कहानी : डॉ. राघवेंद्र

बलोद जिला में स्थित गुंडरदेही से अर्जुन्दा मार्ग पर बसा गांव 'कांदुल' स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से रचा-बसा गांव है। पूर्व में यह गांव आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र रहा। शस्य श्यामला कृषि भूमि वर्षा के लिए ईश्वराधीन रही। आज भी यह गांव सिंचाई की दृष्टि से भगवान भरोसे हैं। नामकरण की दृष्टि से देखा जाए तो कंदमूल, हरी सेम और कांदा भाजी की बहुलता के कारण इस गांव का नाम 'कांदुल' पड़ा। बढ़ई द्वारा निर्मित बैलगाड़ियों के चक्कों के लिए यह गांव प्रख्यात रहा। इस गांव की विशेषता यह भी रही कि-यहां कुएं बहुत मात्रा में थे। ब्यारे की अहातें पत्थरों से बने हुए हैं। दलहन - तिलहन के लिए यह गांव समृद्ध रहा। यहां ब्रिटिशकाल से विद्यालय संचालित रहा। सन 1962-63 में पुनर्निर्माण के पश्चात स्वामी मुक्तानंद द्वारा लोकार्पण किया गया। सर्वसमाजोत्थान को ध्यान में रखते हुए मृत्युभोज में कलेवा और मायन भोज के पश्चात बारातियों के साथ गांव वालों के लिए भोजन करना प्रतिबंधित है। रविवार और सोमवार को सारा गांव वर्ष भर सोमवारी और इतवारी त्योहार मनाता है। प्राचीन दंतेश्वरी कुंड आज दंतेश्वरी मंदिर त्रिताल (छीरसागर) के रूप में विद्यमान है। देश की सीमा सुरक्षा बल में इस गांव के 54 नौजवान सेवारत हैं। यहां के थरती पुत्र उकेश ठाकुर देश के नाम शहीद हुए। यहां की सांस्कृतिक धरोहर की कोई सानी नहीं है। सांस्कृतिक विरासत के रूप में ख्याति प्राप्त जस झांकी मंडली को प्रदर्सन के लिए दूर-दूर से आमंत्रित किए जाते हैं।

प्राकृतिक सौंदर्य के स्थलों में शिव गंगा जलप्रपात

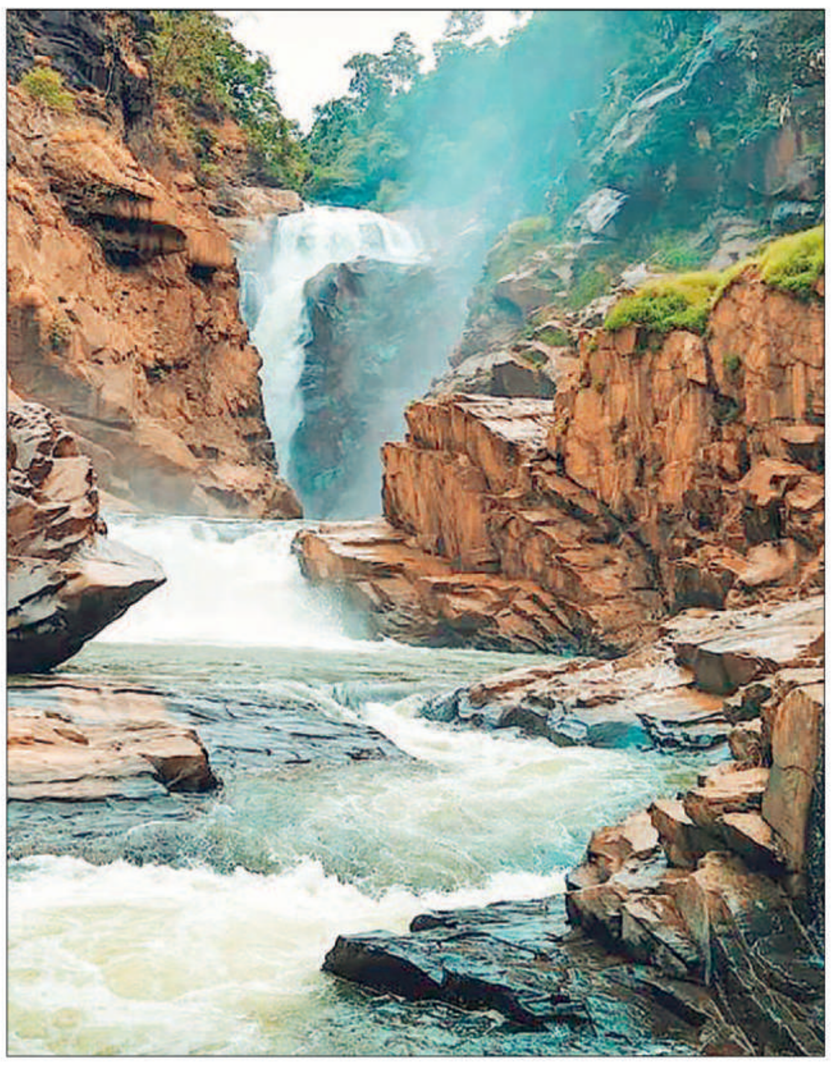

बस्तर अंचल में अनेक खूबसूरत वादियों की कमी नहीं हैं। आज भी अनेक झरने की खोज होती रहती है जो अत्यंत मनमोहक होते हैं। ऐसे ही मनमोहक सौंदर्य से भरपूर घने जंगलों के मध्य शिवगंगा जलप्रपात दो खंडों में स्थित है। यहां तक पहुंचने के लिए कोई रास्ता नहीं है। तीरथगढ़ जलप्रपात से शिवगंगा की दूरी लगभग 6 किमी है। यहां तक पहुंचने के लिए पर्यटकों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस जलप्रपात का एक खंड 40 किमी तो दूसरे खंड की ऊंचाई लगभग फीट है। इस जलप्रपात के निकट ही शिवलिंग की स्थापना ग्रामीणों द्वारा की गई है, इसलिए जलप्रपात का नाम शिवगंगा रखा गया है। शासन के नक्शे में लेकर इस स्थल को संवारने की व्यवस्था की जा रही है ताकि पर्यटक इस सौंदर्य स्थलों का भी भ्रमण कर सकें। पर्यटकों को जानकारी होने पर इस स्थल का आनंद लेने अवश्य पहुंचते हैं। बरसात के मौसम में दृश्य मनमोहक होता है, लेकिन आवागमन की उचित साधन नहीं होने के कारण पर्यटन यहां पहुंच पाने में असमर्थ हो जाते हैं।

ऐतिहासिक

राजेश पाण्डेय

मल्हार में कनकन कुंआ का महत्व

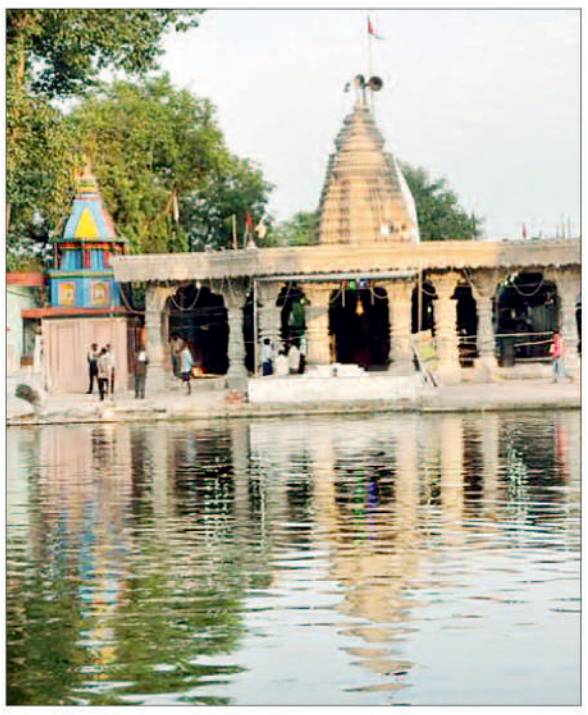

बिलासपुर अंचल में स्थित मल्हार का ऐतिहासिक, धार्मिक और पुरातात्विक महत्व है। इसी महत्व के स्थलों में मल्हार के मेला चौक के मध्य में एक विशाल कुंआ है, जिसे कनकन कुंआ के नाम से लोग जानते हैं। इसकी चौड़ाई का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि नीचे उतरने के लिए सीढ़ियां बनी हुई है। पहले मेले में दूर दूर से आए व्यापारियों तथा भक्त इस कुएं के पानी को पीने के लिए उपयोग में लाते थे। वर्तमान में भी इस कुएं का महत्व कम नहीं हुआ है। पातालेश्वर महादेव मंदिर के साथ ही आसपास के मंदिरों में पूजा पाठ के लिए इसी कुएं के जल का उपयोग किया जाता है। मान्यता है कि पूर्वज इस कुएं में कई पवित्र नदियों के जल को समाहित किए थे।

देवों को मनाने के लिए पेन करसाड़ का आयोजन

परब विशेष

डा. किरण नुरूटी

पेन करसाड़ का आयोजन कब करना है इसके लिए उस देव के कुटुंब परिवार के लोग एकत्रित होकर बैठक करते हैं तथा करसाड़ की तिथि निर्धारित की जाती है, तत्पश्चात मुखिया द्वारा कार्यों का विभाजन किया जाता है।

बस्तर में पेन करसाड़ उत्सव का आरंभ प्रति वर्ष जनवरी माह के प्रथम सप्ताह से शुरू होता है और वर्षा ऋतु के आगमन के पूर्व तक चलता रहता है। आगामी फसल के लिए बीजारोपण से पहले यह वह अवसर है जब भरपूर फसल के लिए गांव के गोत्र देवता एवं कुल देवता से प्रार्थना की जाती है और हर प्रकार से संतुष्ट किया जाता है। इसके साथ ही यह उत्सव परिवार एवं सगा समाज के मिलन का अवसर होता है। पेन करसाड़ का आयोजन कब करना है इसके लिए उस देव के कुटुंब परिवार के लोग एकत्रित होकर बैठक करते हैं तथा करसाड़ की तिथि निर्धारित की जाती है, तत्पश्चात मुखिया द्वारा कार्यों का विभाजन किया जाता है। पेन करसाड़ के मुखिया को दक्षिण बस्तर में तलापोत कहा जाता है। करसाड़ मेले को सुचारू रूप से संचालन करने हेतु विभिन्न व्यक्तियों को अलग अलग जिम्मेदारी दी जाती है।

गौकशी बंद कराने हेतु शंकराचार्य जी के संकल्प पूर्ति हेतु लिंगराज मंदिर में हुआ दर्शन पूजन

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। गौमाता को राष्ट्रमाता बनाने व गोकशी बंद कराने हेतु कृतसंकल्पित परमाराध्य परमधमार्धीश ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगदगुरु शंकराचार्य स्वामिश्रीः अविमुक्तेश्वरानंदः सरस्वती जी महाराज के संकल्प पूर्ण होने की मंगलकामना को लेकर शंकराचार्य जी महाराज के मीडिया प्रभारी संजय पाण्डेय के नेतृत्व में काशी से गए सैकड़ों के संख्या में शंकराचार्य भक्त मंडली परिवार के सदस्यों ने उड़ीसा के भुवनेश्वर में 11वीं शताब्दी में स्थापित शिल्पकला के अद्भुत कारीगरी द्वारा निर्मित श्रीलिंगराज हरिहर मंदिर सहित माता पार्वती, कालभैरव, लक्ष्मी-नारायण, नृसिंग, श्रीराम आदि मंदिरों में दर्शन पूजन देवी देवताओं से प्रार्थना एवं पदयात्रा किया। पदयात्रा के पश्चात आयोजित धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए शंकराचार्य जी महाराज के मीडिया प्रभारी संजय पाण्डेय ने

कहा कि आज से करीब 2530 वर्ष पूर्व आद्य भगवत्पाद शंकराचार्य भगवान ने जब 72 मतों को पराजित कर सनातनधर्म का पुनर्स्थापना किए थे उस समय से भी बहुत अधिक कलिकाल के चलते स्थिति वर्तमान समय मे खराब है क्योकि उस समय के अधर्मी लोगों में अधिक नैतिकता थी` आद्य भगवत्पाद शंकराचार्य भगवान से शास्त्रार्थ में पराजित होने के बाद उस समय के अधर्मी व विधर्मी लोग अपनी पराजय स्वीकार कर उन्हें व सनातनधर्म को श्रेष्ठ मान लेते थे लेकिन आज के समय मे किसी व्यक्ति को सत्य व धर्म के आधार पर अगर आप पराजित कर देंगे तो वो पराजय स्वीकार करने के स्थान पर आपको ही येन केन प्रकारेण मिटाने का प्रयास करने लगेंगे। ऐसे कठिन समय मे पूज्यपाद ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगदगुरु शंकराचार्य स्वामिश्रीः अविमुक्तेश्वरानंदः सरस्वती जी महाराज कठिन तप व अवर्णनीय प्रयास के माध्यम से धर्म व सत्य को स्थापित करने हेतु अप्रतिम संघर्ष कर रहे हैं उसी क्रम में गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित कराने व गोकशी बंद कराने हेतु शंकराचार्य जी महाराज कठिन संघर्ष कर रहे हैं इसलिए हर सनातनधर्मी का यह धर्म बनता है कि वो पूज्यपाद ज्योतिष्पीठाधीश्वर शंकराचार्य जी महाराज से जुड़कर सनातनधर्म के मूल्यों को पुनर्स्थापित करने में अपना सहभागिता सुनिश्चित करे। समस्त आयोजन में गुड्डी पाण्डेय,सुषमा उपाध्याय, आकाश पूजापण्डा, चंदन बड़ू, राहुल माहश्वर, दिनेश बड़ू, शुभेंदु राय,अनन्या उपाध्याय, अथर्व उपाध्याय आदि लोग सम्मलित थे।

जिला अस्पताल में मना ईएमटी दिवस प्रीति यादव व सुनील को मिला बेस्ट ईएमटी सम्मान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। 102 और 108 एंबुलेंस सेवा मरीज के लिए 24 घंटा सेवा के लिए तत्पर रहती है। और सेवा का कार्य करती है। ऐसे में एंबुलेंस का संचालन करने वाले पायलट और ईएमटी का सम्मान करने को लेकर प्रत्येक वर्ष 2 अप्रैल को ईएमटी दिवस मनाया जाता है। इसी क्रम में गाजीपुर के जिला अस्पताल स्थित 102 और 108 एंबुलेंस के कार्यालय पर भी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ देश दीपक पाल की अध्यक्षता में ईएमटी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ देश दीपक पाल ने सभी एंबुलेंस कर्मचारी को अपने सेवा के माध्यम से लोगों का दिल जीतने का संकल्प भी दिलाया। ताकि लोग इस 102 और

108 एंबुलेंस का लाभ लेकर अपना और अपने परिजनों की जिंदगी को बचा सके। इस दौरान बेस्ट ईएमटी का सम्मान प्रीति यादव और सुनील यादव को प्रशस्ति पत्र देकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सम्मानित किया। बताते चले की प्रधानमंत्री ने एम्बुलेंस कर्मचारियों को कोरोना वॉरियर्स के नाम से संबोधित किया। प्रतिदिन प्रदेश में लगभग हजारों मरीजों की जान एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से बचाई जाती है। इनके कार्यो को देखते हुए प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष दो अप्रैल को ईएमटी दिवस मनाया गया। आंकड़ों की अगर हम बात करें तो पूरे उत्तर प्रदेश में 108 एंबुलेंस से 2.90 करोड़ एवं 102 सेवा से 7.90 लोग इस सेवा से लाभान्वित हो चुके हैं।

तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता 'आवाहन' काशी इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी में संपन्न

प्रखर वाराणसी। काशी प्रौद्योगिकी संस्थान में वार्षिक खेल कार्यक्रम "आवाहन" का आयोजन किया गया। जिसमें कई प्रकार के इनडोर एवं आउटडोर खेल कार्यक्रम आयोजित हुए। साथ ही शामिल थे। बतादे कि शतरंज की विजेता के आई टी टीम रही और दूसरे स्थान पर जौनपुर की कुंवर हरिवश कॉलेज ऑफ फामेर्सी रही। टेबल टेनिस में विजेता के आई टी की टीम से आर्यन द्विवेदी, रोशन कुमार शर्मा, और आदेश गुप्ता रहे और दूसरे स्थान पर के आई टी अल्युमिनी की टीम से मृत्युंजय, कुंवर गौरव सिंह और यदुवेंद्र यादव रहे। वही कैरम में विजेता आशोका संस्थान की टीम से गौरव और पंकज रहे और दूसरे स्थान पर के आई टी की टीम से शिवम और यश रहे। शतरंज में के आई टी की टीम से अक्षत और राज विजेता रहे और दूसरा स्थान जौनपुर की कुंवर हरिवंश कालेज ऑफ फामेर्सी से सूरज ओर अभिषेक ने समलता हासिल की। दूसरी तरफ वॉलीबॉल इवेंट में विजेता के आई टी अल्युमनी

टीम रही और दूसरे स्थान पर जौनपुर की कुंवर हरिवंश कालेज ऑफ फामेर्सी रही। अगर क्रिकेट इवेंट की बात करे तो विजेता एसएमएस वाराणसी की टीम रही और दूसरे स्थान पर आशोका संस्थान ने कब्जा जमाया। कब्बड़ी में के आई टी टीम औवल रही और दूसरे स्थान पर जौनपुर की हरिवंश कालेज ऑफ फामेर्सी रही। आवाहन प्रतियोगिता 1 अप्रैल 2024 से 3 अप्रैल 2024 तक आयोजित हुई। जिसमे उद्घाटन और समापन समारोह आयोजित किए गए। जहां पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित हुआ। और अंत में पुरस्कार वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर संस्थान के निर्देशक डॉ ए.के यादव ,निर्देशक के आईपी- .डॉ आशुतोष मिश्रा, डीन एकेडमिक डॉ. डी . एम श्रीवास्तव, डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर अमृतेश सिंह, स्पोर्ट्स ऑफिसर अजय विक्रम सिंह, संस्कृतिक अध्यक्ष विशाल सिंह, स्पोर्ट्स क्लब इंचार्ज -विख्यात पांडे मौजूद रहे।

विद्यापीठ में कुलपति ने किया 'द काशी जर्नल ऑफ कॉमर्स' के नए संस्करण का विमोचन

प्रखर वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के वाणिज्य विभाग में बुधवार को "द काशी जर्नल ऑफ कॉमर्स" रिसर्च जर्नल के नए संस्करण का विमोचन किया गया। साथ ही इस जर्नल के ऑनलाइन मोड का कुलपति प्रो. आनन्द कुमार त्यागी ने बटन दबाकर शुभारंभ किया। प्रो. त्यागी ने कहा कि काशी विद्यापीठ के इतिहास में पहली बार रिसर्च जर्नल के ऑनलाइन होने पर बहुत ही प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। इससे इस जर्नल का क्षेत्र वृहद हो सकेगा तथा जर्नल और अधिक एक्सेसिबल एवं एक्सेप्टेबल बन सकेगा। प्रो. त्यागी ने कहा कि जर्नल के ऑनलाइन होने से शोधार्थियों को लाभ होगा। इससे गुणवत्तापूर्ण नवीनतम उभरते विषयों पर शोध-पत्रों का प्रकाशन भी संभव हो सकेगा। उन्होंने ने कहा कि आज डिजिटलाइजेशन के दौर में आर्थिक क्रियाकलापों के क्षेत्र में उभरते विभिन्न विषयों पर शोध करने की अत्यंत आवश्यकता है। वाणिज्य के क्षेत्र में

विशेष रूप से क्रिप्टोकरेंसी, डिजिटल करेंसी, ईबैंकिंग, साइबर सिक्योरिटी, वर्चुअल अकाउंटिंग सिस्टम, डिजिटल मार्केटिंग, कंप्यूटराइज्ड अकाउंटिंग, ईरिटेलिंग, टूरिज्म एंड ट्रेवल सेक्टर, फाइनेंशियल सेक्टर, मार्केटिंग स्ट्रेटजी, ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट, टैक्सेशन, मौद्रिक नीति, राजकोषीय नीति के क्षेत्र में अनुसंधान करने पर जोर दिया। उन्होंने शोधार्थियों से कहा कि वाणिज्य के क्षेत्र में नवोन्मेषी व वित्तीय समावेशन विषयों पर अपना ध्यान केंद्रित करें । इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। स्वागत व्याख्यान संकायाध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार मिश्र ने किया। वर्ष 2004 से प्रकाशित इस जर्नल की ऐतिहासिक यात्रा एवं ऑनलाइन जर्नल के माध्यम से विशिष्ट जानकारी प्राप्त करने में उल्लेखनीय योगदान की भूमिका पर विभागाध्यक्ष प्रो. अजीत कुमार शुक्ल ने प्रकाश डाला। संचालन जर्नल के असिस्टेंट एडिटर डॉ. आयुष कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन जर्नल के एडिटर प्रो. सुधीर कुमार शुक्ल ने किया। इस अवसर पर प्रो. कृष्ण कुमार अग्रवाल, प्रो. कृपा शंकर जायसवाल , डॉ. धनंजय विश्वकर्मा सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, अध्यापकगण, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चुनाव में गड़बड़ी करने वालों को बख़्शा नही जाएगा : एसपी

खेतासराय थाने का निरीक्षण कर हिस्ट्रीशीटरों की जानकारी ली, पैदल गश्त कर भयमुक्त मतदान की किया अपील

प्रखर खेतासराय जौनपुर। लोकसभा के चुनाव के मद्देनजर मंगलवार की सांयकाल पुलिस अधीक्षक अजय पाल शर्मा तेवर में देखे । संवेदनशील बूथों का विजिट कर स्थानीय थाने का निरीक्षण किया । हिस्ट्रीशीटरो के बारे में एसएचओ से सवाल दागे । उन्होंने आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि कानून में खलल डालने वालों से कड़ाई से निपटे । कस्बे में पैदल भ्रमण कर सुरक्षा का एहसास कराया । लोंगो से भयमुक्त मतदान करने की अपील की । पुलिस अधीक्षक मातहतों के साथ थाने का गहन निरीक्षण किया । एसपी की देर तक कई बिंदुओ की जाँच से पुलिस के हाथ पांव फूल उठे । थाना कार्यालय, जनसुनवाई रजिस्टर, हिस्ट्रीशीट रजिस्टर को बारीकी से देखा । इस दौरान उन्होंने आवश्यक सख़्त निर्देश दिया । संवेदनशील बूथों का जायजा लेने के लिए आदर्श कन्या इंटर कालेज और मानीकला कम्पोजिट प्राथमिक विद्यालय के बूथों पर पहुँच कर जानकारी ली । इस दौरान उन्होंने बीएलओ और सम्बंधित को जरूरी हिदायत दिया। प्रधान मो अरशद से मतदान के बाबत पूछताछ भी की । पुनः खेतासराय पहुँचकर पैदल गश्त किया । इस दौरान उन्होंने भयमुक्त मतदान की बात कही । पुलिस अधीक्षक के साथ अपर पुलिस अधीक्षक नगर डॉ बृजेश गौतम, सीओ अजीत सिंह चौहान, एसएचओ दीपेंद्र सिंह समेत अन्य पुलिस के जवान मौजूद रहे ।

गंगापुर परिसर में हुआ मेला का भव्य उद्घाटन

डॉ. शुभ्रा वर्मा के निर्देशन में शबरी के राम लघु नाटक का हुआ मंचन

प्रखर वाराणसी। डॉ0 विभूति नारायण सिंह परिसर गंगापुर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में ललित कला विभाग के द्वारा वृहद स्तर पर कला मेला का आयोजन किया गया। इस आयोजन का शुभारंभ करते हुए डॉ0 मनीष अरोड़ा और डॉ शांति स्वरूप सिन्हा ,काशी हिंदू विश्वविद्यालय के वरिष्ठ संकाय सदस्य दृश्य कला संकाय के द्वारा कला मेला में स्थित चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन फीता काटकर किया गया। उद्घाटन अवसर के उपरांत आगत अतिथियों ने प्रदर्शनी में प्रदर्शित विद्यार्थियों के चित्रों का अवलोकन किया और इसके बाद मेला परिसर में स्टॉल प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। स्टॉल प्रदर्शनी के उपरांत ललित कला विभाग के नाट्य कला अनुभाग के प्राध्यापिका डॉ0 शुभ्रा वर्मा के निर्देशन में शबरी के राम लघु नाटक का मंचन हुआ। डॉ0 शुभ्रा वर्मा के साथ नाट्य कलाकारों में मधु सिंह, आयुष सिंह, अजीत कुमार, कुंदन कुमार, आनन्द कुमार ने अपनी भूमिका से भक्ति भावना का संचार किया। मेला का प्रारंभ करते हुए कल

मेला के संयोजक डॉक्टर शशिकांत नाग ने आगत अतिथियों का स्वागत किया । तदोपरांत औपचारिक रूप से सभी सम्मानित अतिथियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट तिथि डॉ शांति स्वरूप सिंह एवं डॉ सुनील कुमार विश्वकर्मा जी ने समवेत स्वर में गंगापुर परिसर की उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया। मेला के आयोजन में यहां के पूर्व छात्रों ने भी अभूतपूर्व योगदान किया जिनमे रविशंकर उर्फ अर्जुन आकाश केसरी, हर्षित केसरी, अभिषेक यादव, जयदीप, अंकित इत्यादि के मार्गदर्शन में वर्तमान अध्ययनरत छात्र आशीष वर्मा, दिनेश यादव, शिवम, उदय कुमार, हर्षिता, आदि ने इस परिसर की साज सज्जा में विभिन्न इंस्टालेशन का निर्माण किया। उदय कुमार के द्वारा निर्मित रंगोली माध्यम में शिव परिवार कृति को विशेष सराहना हुई। आयोजन सचिव सुमित घोष ने मुख्य अतिथि को स्मारकीय प्रतीक प्रदान किया। विशिष्ट अतिथि डॉ शांति स्वरूप सिन्हा जी को डॉ गौरव दुबे, विशिष्ट अतितजी डॉ सुनील कुमार विश्वकर्मा को डॉ अर्चना पांडेय ने प्रतीक चिन्ह प्रदान किया। परिसर प्रभारी मनीष कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर डॉ अनुपमा, डॉ अविनाश डॉ.आनंद यादव, डॉ.रामप्रकाश डॉ.पी.सी. जोशी डॉ.मनोज डॉ.मोहित, नित्यानंद , डॉक्टर महेंद्र प्रसाद डॉ अर्चना सिंह आदि उपस्थित थे।

रमवल प्राथमिक विद्यालय पर स्कूल चलो अभियान की निकाली गयी रैली

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बुधवार को प्रा वि रमवल रेवतीपुर गाजीपुर पर स्कूल चलो अभियान की रैली निकाली गई. नवीन शैक्षिक सत्र 24-25 में नामांकन हेतु ग्राम रमवल मे घूम कर शिक्षकों द्वारा जागरूकता हेतु घर घर बच्चों को प्रा वि रमवल मे प्रवेश हेतु आग्रह किया गया। इसी क्रम मे विघालय में विघालय प्रबंधन समिति का बैठक एवं प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया। जिसमें बच्चों के नामांकन स्वच्छता, शैक्षिक गुणवत्ता, मध्याह्न भोजन कायाकल्प संचारी रोग आदि विभिन्न विभागीय कार्य पर समीक्षा एवं आवश्यक चर्चा किया गया। सभी प्रशिक्षण कर्ता को जनपहल पत्रिका, स्टेशनरी आदि दिया गया तथा जलपान भी कराया गया। उक्त कार्यक्रम में एसएनसी अध्यक्ष सुनीता, उपाध्यक्ष पिकी, सदस्य बबलू, रेखा, अखिलेश, गुडिया देवी, प्रेमा, प्रमिला, सुमन, बिन्दु, संतरा, पार्वती, रीना आदि उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। सभी ने विघालय के समस्त विभागीय कार्यो की सराहना की। विद्यालय प्रघानाध्यापक सत्य प्रकाश, शिक्षक कृष्णानंद, आशीष कुमार, खालिद अली, अशोक कुमार, शीला देवी आदि उपस्थित रहे। अन्त मे प्रघानाध्यापक द्वारा सभी आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया गया।

संक्षिप्त खबरें

यूपी पुलिस भर्ती मामले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

वर्तमान में वह भरतनगर जेके रोड भोपाल में रह रहा था

प्रखर लखनऊ। यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती पेपर लीक मामले में एसटीएफ मेरठ की यूनिट ने बुधवार को मुख्य आरोपी राजीव नयन को गिरफ्तार कर लिया। बतादे कि राजीव नयन मिश्रा पुत्र स्व. दीनानाथ मिश्रा प्रयागराज के थाना मेजा ग्राम अमोरा का रहने वाला है। वर्तमान में वह भरतनगर जेके रोड भोपाल में रह रहा था। आरोपी राजीव थाना कंकरखेड़ा मेरठ के केस क्राइम 166/24 अन्तर्गत धारा 420/467/468/471/120B IPC 2/3/7/8/9 उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम में वांछित चल रहा था। इसी मामले में अभियुक्त राजीव को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में प्रकाश में आया है कि गुड़गांव के अलावा राजीव ने रीवा के भी एक रिसोर्ट में अपने गैंग के साथ अभ्यर्थियों को पेपर पढ़वाया था। पूर्व में यह एनएचएम घोटाले में ग्वालियर और यूपी टेट पेपर लीक में कौशांबी से जेल जा चुका है। पेपर लीक मामले में अब तक मेरठ एसटीएफ की टीम 54 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

रोजा इफ्तार आपसी सौहार्द और सद्भावना को बढ़ावा देता है : राकेश मौर्य

जौनपुर। नगर पंचायत जाफराबाद के मोहल्ला नासही स्थित जामा मस्जिद के ग्राउंड मे नगर पंचायत अध्यक्ष उम्मे राहिला की तरफ से एक भव्य रोजा इफ़्तार पार्टी का आयोजन किया गया। सभी लोगों में आपसी समरसता का भाव स्थापित करने के उद्देश्य से इस रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया था ,जिसमें शहर की नामचीन हस्तियों के साथ दोनों समुदाय के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।जहाँ सबने एक दूसरे को पवित्र माह रमजान की बधाई दी और एक साथ सामुहिक रूप से बैठकर रोजा इफ़्तार किया।और अंत में मौलाना द्वारा नमाज में क्षेत्र व देश की खुशहाली के लिये दुआएं मांगी गई।इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष डॉ सरफराज खान ने कहां की रोजेदारों को रोजा इफ़्तार कराना बड़ा पुण्य का कार्य समझा जाता है और इस नेक कार्य से अल्लाह अपने बन्दों से खुश होता है।जिसके पीछे का मकसद आपसी एकता व सौहार्द को बल देना है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय के अलावा अन्य धर्मों के लोग भी बिना किसी भेदभाव के इसमें शामिल होकर एक साथ बैठकर इफ्तारी करते हैं।इस अवसर पर जमाल हाशमी, परवेज कुरैशी ,दिलशाद अहमद ,रिजवान खान ,ओवैस खान,सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य,कमाल आजमी,अरशद कुरैशी,रुखसार अहमद,बख्तियार,रियाजुल, साकीब, मनोज मौर्य,रमाकांत यादव,सद्दाम हुसैन,फिरोज खान चेयरमैन कचगांव ,अनवारुल हक गुड्डू, जेपी सिंह, नंद लाल यादव, घनश्याम यादव, प्रवीण सिंह, मजहर आसिफ,डॉक्टर अर्शी नवाज, कलीम भथेड़ी, इंदु सिंह,जमाल हाशमी, फिरोज जिया खान,डॉ चांद बागवान,अलमास सिद्दीकी आदि मौजूद रहे। सहित जिले के संभ्रांत नागरिक उपस्थित रहे अंत में चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ सरफराज खान ने सभी का आभार व्यक्त किया।

रमजान का तीसरा अशरा शुरू, ईद ने दी दस्तक, मस्जिदों में तैयारियां तेज

प्रखर गोरखपुर । रमजान माह का तीसरी अशरा सोमवार से शुरू हो चुका है। तीसरा अशरा शुरू होते ही ईद ने दस्तक दे दी है। आखिरी अशरा चांद पर निर्भर होता है इससे नौ या 10 दिन का होता है। आखिरी अशरा शुरू होते ही क्षेत्र में ईद की तैयारियां तेज हो गई है। क्षेत्र की चेचुआपार,कटसहरा, मझौरा, कविसा, रावतपार, मिया पकड़ी, स्थित मस्जिदो में रंगाई पुताई शुरू हो चुकी है। चेचुआपार में मस्जिद मौलाना ने बताया कि ईद एक ऐसा त्योहार होता है जिस दिन कोई चाहे कितना ही गरीब क्यों न हो वह नए कपड़े जरूर पहनता है। गरीबों को ईद की व्यवस्था करने में दिक्कत इसलिए नहीं आती है क्यों कि लोग इस माह में ढाई फीसदी जकात निकलते हैं। जिस प्रकार से रोजा फर्ज है उसी तरह से हर मालदार पर जकात भी फर्ज है। वह अपनी बचत का ढाई फीसदी जकात जरूर निकालता है। यह पैसा गरीबों के बीच दिया जाता है।

मौसम की बेरुखी ने बढ़ाई चिंता, फसल कटने को तैयार

प्रखर हरपुर बुदहट गोरखपुर। क्षेत्र में गेहूं की फसल लगभग तैयार हो चुकी है। तेज हवा चलने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। वह जल्द फसल काट कर घर ले जाने को परेशान हैं। मंगलवार सुबह से हवा चलनी शुरू हुई जो दोपहर तक धूल भरी हवा में परिवर्तित हो गई। किसान अपनी सफल को लेकर चौकन्ना हो गए। बिजली के तार से होने वाली स्पार्किंग से फसल जलने का खतरा है, हालांकि विभाग ने तेज हवा को देखते हुए सप्लाई बंद कर रखी थी। तेज हवा के बचाव से चेचुआपार गांव के प्रगतिशील किसान गंगा सिंह ने मीडिया से बात चीत करते हुए किसानों से अपील किया कि अपने-अपने खेतो में लगे बिजली ट्रांसफार्मर एवं पोल के आसपास लगभग 10 फीट की दूरी में फसल को काट कर सफाई कर ले। वहीं चेचुआपार गांव के विश्वम्भर नाथ शर्मा (सेक्टर प्रभारी भाजपा) ने बताया की एक ग्राम सभा में कम से कम एक कार्बनडाई आक्साईड सिलेंडर जरुर होना चाहिए जिससे तत्काल आग के प्रभाव को कम किया जा सकता है।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं